राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

# स्वतंत्र प्रभात

स्वतंत्र प्रभात दैनिक अख़बार तथा ऑनलाइन चैनल से सीधा जुड़ने के लिए संपर्क करें.....
9511151254

@swatantraprabhatmedia @swatantramedia RNI.No. UHIN/2012/43078 (epaper.swatantraprabhat.com ) @SwatantraPrabhatonline news@swatantraprabhat.com

सीतापुर से प्रकाशित एंव अयोध्या ,प्रयागराज ,मिर्जापर ,गोरखपुर , बरेली ,बुंदेलखंड , उत्तराखंड , देहरादून

सीतापुर, शनिवार, 04 अप्रैल 2026
वर्ष 14,अंक 342, पृष्ट 04, मूल्यः 01 रुपया
www.swatantraprabhat.com

गाज़ियाबाद , दिल्ली , हरियाणा , चंडीगढ़ , झारखण्ड , बिहार , मध्य प्रदेश ,असम, तेलंगाना आदि जनपदो में प्रसारित

कृष्ण जन्म की कथा सुन भाव विभोर हुए श्रद्धालु,भजनों पर झूम उठा पूरा गांव...03

दिल्ली में हनुमान जयंती पर निकाली गई शोभायात्रा जय श्री राम जय हनुमान के जयघोष से भक्ती में डूबा..04

## फेक इंश्योरेंस पॉलिसी पर SC सख्त, SIT जांच करने और NIC के CMD को आरोपी बनाने के आदेश

सुप्रीम कोर्ट ने अपने एक आदेश में कहा कि नेशनल इंश्योरेंस कंपनी (NIC) के चेयरमैन और मैनेजिंग डायरेक्टर (CMD) को एक आपराधिक मामले में आरोपी बनाया जाए. कंपनी पर आरोप है कि मोटर दुर्घटना से जुड़े मामले में एक फेक इंश्योरेंस पॉलिसी पर भरोसा किया गया था. साथ ही कोर्ट ने इस मामले की जांच के लिए एक स्पेशल इन्वेस्टिगेशन टीम (SIT) गठित करने का भी निर्देश दिया.

जस्टिस अहसानुद्दीन अमनुल्लाह और जस्टिस आर. महादेवन की बेंच ने कल गुरुवार को नेशनल इंश्योरेंस कंपनी की आलोचना करते हुए कहा कि इंश्योरेंस पॉलिसी के फेक होने के बाद भी आपराधिक मामला दर्ज नहीं किया गया. कोर्ट ने कंपनी की इस निष्क्रियता को 'जिम्मेदारी की घोर कमी' भी करार दिया.

**यह राष्ट्रीय महत्व का टेस्ट केस: सुप्र**

कोर्ट ने अपने फैसले में आगे कहा, 'अब वह समय आ गया है जब इस कोर्ट को कुछ कड़े कदम उठाने होंगे. ताकि यह तय किया जा सके कि इंश्योरेंस कंपनियां अपनी जिम्मेदारी और सतर्क रहने के अपने कर्तव्य का पालन करें. क्योंकि आखिरकार वे उस खजाने से पैसा दे रही हैं जिसमें आम जनता का योगदान होता है.' साथ ही कोर्ट

ने इस मामले को राष्ट्रीय महत्व का एक 'टेस्ट केस' बताया.

इसके बाद कोर्ट ने मामले की जांच SIT को सौंपने का आदेश दिया कि वह एक नया केस दर्ज करे, जिसमें NIC के CMD और स्थानीय ब्रांच मैनेजर तक के अन्य कर्मचारियों को भी आरोपी बनाया जाए. मोटर दुर्घटना मामले में शामिल बस के मालिक को भी आरोपी बनाया जाएगा, जिसकी इंश्योरेंस पॉलिसी की जांच चल रही है.

**कोर्ट में पेश हुए DGP, मांगी माफी**

कोर्ट ने कहा कि जांच टीम को यह भी तय करना चाहिए कि इस केस को पूरी गंभीरता के साथ और जल्द से जल्द ठोस निष्कर्ष तक पहुंचाया जाए. कोर्ट का कहना है कि जांच का मुख्य उद्देश्य नकली और मनगढ़ंत इंश्योरेंस से जुड़े दस्तावेज बनाने के आरोपों की पड़ताल करना होना चाहिए. इससे पहले कोर्ट ने इस मामले केस में तमिलनाडु के डायरेक्टर जनरल ऑफ पुलिस (DGP) को निजी तौर पर पेश होने का आदेश दिया था. साथ ही DGP से एक हलफनामे के जिस में स्पष्टीकरण मांगा गया था, जिसमें यह सुझाव दिया गया था कि मोटर हादसों से जुड़े मामलों के संदर्भ में इंश्योरेंस दस्तावेज एकत्र करते समय पुलिस के लिए उनकी प्रामाणिकता की जांच करना जरूरी नहीं है. कोर्ट ने इस रुख पर कड़ी आपत्ति जताई थी. सुप्रीम कोर्ट के निर्देश के बाद DGP कल कोर्ट में पेश हुए और उन्होंने बिना शर्त माफी मांगी, जिसे बेंच ने स्वीकार कर लिया. देश की सबसे बड़ी अदालत उन आरोपों की जांच कर रहा है कि एक मोटर दुर्घटना मुआवज़ा मामले में फेक इंश्योरेंस पॉलिसी पर भरोसा किया गया था.

**क्या है मामला**

के. सरवनन नाम का शख्स जो एक सड़क हादसे का शिकार हुआ था, वह एक बस की टक्कर में घायल हो गया था. उसे कई सर्जरी और लंबे समय तक इलाज से गुजरना पड़ा, और गंभीर रूप से घायल होने की वजह से उसे अपनी नौकरी तक छोड़नी पड़ी. आगे चलकर उसने एक मोटर दुर्घटना दावा अधिकरण (Motor Accident Claims Tribunal, MACT) के समक्ष एक दावा याचिका दायर की, जिसमें उसने एक बस के मालिक और उसके बीमाकर्ता, NIC से मुआवजे की मांग की.

MACT के समक्ष, इंश्योरेंस कंपनी ने पूरे दावे को ही चुनौती दी थी. उसने तर्क दिया कि दावा करने वाले व्यक्ति द्वारा जिस इंश्योरेंस पॉलिसी पर भरोसा किया गया था, यानी बस मालिक द्वारा ली गई 'थर्ड पार्टी इंश्योरेंस पॉलिसी' वह वैध नहीं थी. हालांकि, MACT ने बीमाकर्ता के बचावों को खारिज कर दिया और NIC पर दायित्व तय कर दिया. मामला जब मद्रास हाईकोर्ट पहुंचा तो उसने भी MACT के फैसले के बरकरार रखा, बीमाकर्ता की पॉलिसी संबंधी चुनौती को खारिज कर दिया, और दी गई मुआवजे की राशि में संशोधन कर दिया. फिर मामला सुप्रीम कोर्ट पहुंचा.

### शिवाजी महाराज की पुण्यतिथि पर CM Yogi ने दी श्रद्धांजलि, कहा- वो अदम्य साहस और शौर्य के प्रतीक, दोनों डिप्टी सीएम ने भी किया नमन

**लखनऊ :** उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ और उपमुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य व ब्रजेश पाठक ने शुक्रवार को मराठा साम्राज्य के संस्थापक छत्रपति शिवाजी महाराज की पुण्यतिथि पर उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित की। योगी आदित्यनाथ ने 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा, 'अदम्य साहस, अप्रतिम शौर्य एवं उत्कृष्ट सुशासन के प्रतीक, 'हिंदवी स्वराज' के संस्थापक, राष्ट्रनायक छत्रपति शिवाजी महाराज की पुण्यतिथि पर कोटिशः नमन।' उन्होंने कहा, 'मातृभूमि की रक्षा और सनातन संस्कृति के गौरव की पुनर्स्थापना के लिए उनका समर्पित जीवन और उच्च आदर्श हम सभी के लिए महान प्रेरणा हैं।' उपमुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य ने 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा, 'हिंदवी स्वराज्य के संस्थापक छत्रपति शिवाजी महाराज की पुण्यतिथि पर उनके चित्र पर पुष्पांजलि अर्पित कर उन्हें विनम्र श्रद्धांजलि दी। अद्वितीय वीरता, दूरदर्शी नेतृत्व और मातृभूमि के प्रति अटूट समर्पण से परिपूर्ण उनका जीवन 'राष्ट्रधर्म' के जीवंत आदर्श के रूप में हमें निरंतर साहस और कर्तव्यपथ पर दृढ़ रहने की प्रेरणा देता है।' उपमुख्यमंत्री ब्रजेश पाठक ने 'एक्स' पर अपने संदेश में कहा, 'सनातन संस्कृति के ध्वजवाहक, राष्ट्र के गौरव और हिंदवी स्वराज के संस्थापक छत्रपति शिवाजी महाराज की पुण्यतिथि पर उन्हें शत-शत नमन।' छत्रपति शिवाजी महाराज का जन्म 19 फरवरी 1630 को हुआ था।

## भूपेंद्र हुड्डा को बड़ी राहत, एजेएल प्लॉट आवंटन मामले में क्लीन चिट

**स्वतंत्र प्रभात संवाददाता**

पंचकूला के AJL (Associated Journals Limited) प्लॉट आवंटन केस में हरियाणा के पूर्व सीएम भूपेंद्र सिंह हुड्डा को बड़ी राहत मिली है. सीबीआई की विशेष अदालत ने हुड्डा के खिलाफ सभी आरोप खारिज कर दिए हैं. इसके साथ ही वरिष्ठ कांग्रेस नेता मोतीलाल वोरा को भी इस मामले में आरोपमुक्त किया गया है. इससे पहले पंजाब-हरियाणा हाई कोर्ट ने पर्याप्त सबूत न मिलने पर आरोप तय करने के आदेश रद्द किए थे, जिसके बाद सीबीआई कोर्ट ने अब ये फैसला सुनाया है. ये मामला पंचकूला के सेक्टर-6 में करीब 3,360 वर्ग मीटर सरकारी भूखंड के आवंटन से जुड़ा था. इस केस में जांच एजेंसी का आरोप था कि ये प्लॉट कथित तौर पर बाजार मूल्य से काफी कम कीमत पर एसोसिएटेड जर्नल्स लिमिटेड (AJL) को दिया गया. इससे सरकारी रेवेन्यू को नुकसान हुआ था. सीबीआई ने इस मामले में भूपेंद्र सिंह हुड्डा के साथ हरियाणा शहरी विकास प्राधिकरण (एचएसवीपी) के कुछ वरिष्ठ अधिकारियों को भी आरोपी बनाया था.

**हाईकोर्ट ने क्या कहा?**

हालांकि, आरोप तय किए जाने के आदेश को चुनौती देते हुए भूपेंद्र सिंह हुड्डा और AJL की ओर से पंजाब-हरियाणा हाईकोर्ट में याचिका दायर की गई थी. हाईकोर्ट ने मामले की सुनवाई के दौरान पाया कि प्रथम दृष्टया आरोपों को समर्थन देने के लिए पर्याप्त और ठोस साक्ष्य मौजूद नहीं हैं. कोर्ट ने स्पष्ट किया कि बिना मजबूत आधार के आपराधिक मुकदमा जारी रखना न्यायिक प्रक्रिया के सिद्धांतों के खिलाफ है. इसी आधार पर आरोप तय करने के आदेशों को रद्द कर दिया गया. इसके बाद अब पंचकूला की विशेष सीबीआई कोर्ट से भूपेंद्र सिंह हुड्डा को आज ये राहत मिली है. कोर्ट से राहत मिलने के बाद भूपेंद्र सिंह हुड्डा ने इस पर प्रतिक्रिया दी है. उन्होंने कहा, मैंने पहले ही कहा था कि मुझे न्यायापालिका पर भरोसा है.

**क्या है पूरा मामला?**

पंचकूला के सेक्टर-6 में 3,360 वर्ग मीटर के सरकारी भूखंड आवंटित करने के मामले में सीबीआई ने हुड्डा समेत एचएसवीपी के चार अधिकारियों को भी आरोपी बनाया था. हुड्डा पर आरोप था कि उन्होंने 64.93 करोड़ रुपये का प्लॉट एजेएल को 69 लाख 39 हजार रुपये में दिया. सीबीआई ने 27 जनवरी 2017 को केस दर्ज किया था. फिर 1 दिसंबर 2018 को चार्जशीट दायर की थी.

## संक्षिप्त ख़बरें

### प्रेमी से कराई फौजी पति की हत्या, सोना गिरवी रख खरीदा तमंचा; मेरठ की एक और 'मुस्कान' का खूनी खेल

उत्तर प्रदेश के मेरठ में एक और मुस्कान नाम की पत्नी ने प्रेमी के साथ मिलकर अपने पति की हत्या कर दी. आरोपी पत्नी कोमल का पति नैन सिंह बीएसएफ का जवान था और अक्सर पोस्टिंग में रहता था. इसी बीच, पत्नी की गुलशन नाम के शख्स से नजदीकियां बढ़ गई थीं, जिसके बाद दोनों ने नैन सिंह की हत्या की साजिश रची. पत्नी और उसके प्रेमी ने नैन सिंह की सोते समय गोली मारकर हत्या कर दी.

दरअसल, नैन सिंह अपने घर में अकेले रहते थे और उनकी पत्नी कोमल काफी समय से अलग रह रही थी. दोनो के बीच पहले कई बार झगड़े भी हुए थे. अवैध संबंधों को लेकर नैन सिंह को पहले से ही अपनी पत्नी कोमल पर शक था. कोमल का संबंध नैन सिंह के मौसेरे भाई गुलशन से था. कोमल और गुलशन ने नैन सिंह की हत्या की साजिश रची और रात में घर में सो रहे नैन सिंह की गोली मार कर हत्या कर दी.

**सोना गिरवी रख खरीदा तमंचा**

पुलिस के अनुसार, योजनाबद्ध तरीके से नैन सिंह की हत्या की गई. उनकी पत्नी कोमल ने गुलशन को सोना गिरवी रखने के लिए दिया था ताकि वो तमंचा खरीद सके. तमंचा खरीदने के बाद गुलशन ने अपने साथियों के साथ पूरी योजना बनाई और नैन सिंह को मौत के घाट उतार दिया.

नैन सिंह की हत्या करने वाली पत्नी ने पुलिस को चकमा देने की कोशिश की. तहरीर में भी पुलिस को पड़ोसी के ऊपर हत्या का आरोप लगाया था, लेकिन वो कहते हैं ना कि कानून के हाथ तो लंबे होते हैं. पुलिस ने आरोपी पत्नी को गिरफ्तार कर लिया और उसके साथियों को भी बाद में गिरफ्तार किया. पुलिस ने पूछताछ की तो सभी आरोपियों ने अपना जुर्म कबूल किया. जिसके बाद खुलासे के समय मीडिया के सामने कोमल बेहोश होकर गिर गई.

**एसएसपी ने क्या कहा?**

एसएसपी अविनाश पांडे ने बताया कि नैन सिंह बीएसएफ के जवाब थे, उनकी पत्नी का संबंध नैन सिंह के मौसेरे भाई गुलशन से था. दोनों ने योजना बनाकर नैन सिंह की हत्या की, और पड़ोसियों पर आरोप लगाया. लेकिन अंदर ट्रेनी अधिकारी बजरंग प्रकाश ने अच्छा काम किया और घटना का खुलासा कर दिया. स्वाट टीम ने भी अच्छा काम किया और मामले का खुलासा करने में मदद की. एसएसपी ने सराहनीय काम के लिए टीम को 25,000 रूपये का नकद इनाम दिया.

## क्या दिव्यांगता के कारण अयोग्य कैडेट भी 'पूर्व सैनिक' माने जाएं? सुप्रीम कोर्ट ने केंद्र सरकार से पूछा सवाल

**स्वतंत्र प्रभात संवाददाता**

सर्वोच्च न्यायालय ने केंद्र सरकार से पूछा है कि क्या प्रशिक्षण के दौरान लगी चोटों या दिव्यांगता के कारण अयोग्य हो जाने वाले सैन्य कैडेट को पूर्व सैनिक का दर्जा दिया जा सकता है, ताकि वे सरकारी और अर्ध-सरकारी नौकरियों में आरक्षण का लाभ उठा सकें. न्यायमूर्ति बीवी नागरत्ना और न्यायमूर्ति उज्जल भुइयां की पीठ ने कहा कि अधिकांश सैन्य कैडेट की उम्र 30 वर्ष से कम होती है और उन्हें रोजगार की आवश्यकता होगी. पीठ ने कहा कि सुनवाई के दौरान यह मुद्दा उठा कि क्या प्रशिक्षण के दौरान चिकित्सकीय कारणों से सेवा से बाहर किए गए कैडेट को भी पूर्व सैनिक या पूर्व सैन्य कर्मी माना जा सकता है, ताकि उन्हें विभिन्न सरकारी और अर्ध-सरकारी नौकरियों तथा पदों में आरक्षण का लाभ मिल सके. सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि अतिरिक्त सॉलिसिटर जनरल इस पहलू पर निर्देश प्राप्त करें, ताकि पूर्व सैन्य कर्मियों के दायरे में इन कैडेट को भी शामिल किया जा सके, क्योंकि इनमें से अधिकांश 20-30 वर्ष की आयु के हैं.

**ट्रेनिंग के दौरान दिव्यांग हुए कैडेटों**

**को लेकर सुनवाई**

सरकार की ओर से पेश अतिरिक्त सॉलिसिटर जनरल एन वेंकटरमण ने कहा कि इस मुद्दे पर व्यापक जवाब दिया जाएगा. सर्वोच्च न्यायालय इस मामले पर स्वतः संज्ञान सुनवाई कर रहा है, जो प्रशिक्षण के दौरान चोट या दिव्यांगता के कारण बाहर किए गए कैडेट की कठिनाइयों से संबंधित है. पिछले वर्ष 18 अगस्त को न्यायालय ने कहा था कि रक्षा बलों में साहसी कैडेट होने चाहिए, जिन्हें प्रशिक्षण के दौरान लगी चोट या दिव्यांगता से हतोत्साहित नहीं होना चाहिए. साथ ही, न्यायालय ने केंद्र सरकार को ऐसे मामलों के लिए बीमा कवर देने की संभावना तलाशने का निर्देश दिया था. उच्चतम न्यायालय ने केंद्र और रक्षा बलों से उन कैडेट की समस्याओं पर जवाब मांगा था, जिन्हें प्रशिक्षण के दौरान दिव्यांगता के कारण सैन्य संस्थानों से चिकित्सकीय आधार पर बाहर कर दिया गया.

**सर्वोच्च न्यायालय ने लिया था स्वतः संज्ञान**

न्यायालय ने कहा कि केंद्र सरकार को विभिन्न सैन्य संस्थानों में कठोर प्रशिक्षण ले रहे इन कैडेट के लिए ग्रुप इंश्योरेंस जैसी बीमा योजना लागू करने की संभावना तलाशनी चाहिए, ताकि मृत्यु या दिव्यांगता जैसी आपात स्थितियों से निपटा जा सके. इसके अलावा, उसने वर्तमान एकमुश्त राशि (प्रशिक्षण के दौरान दिव्यांग हुए कैडेट को दिए जाने वाले 40,000 रुपये) को बढ़ाने पर भी विचार करने को कहा, ताकि उनकी चिकित्सा जरूरतें पूरी हो सकें. पिछले वर्ष 12 अगस्त को न्यायालय ने एक खबर पर स्वतः संज्ञान लिया था, जिसमें इन कैडेट की समस्या को उजागर किया गया था. ये कैडेट देश के प्रमुख सैन्य संस्थानों, जैसे राष्ट्रीय रक्षा अकादमी (एनडीए) और भारतीय सैन्य अकादमी (आईएमए) में प्रशिक्षण का हिस्सा रह चुके थे. साल 1985 से अब तक करीब 500 अधिकारी कैडेट को ट्रेनिंग के दौरान विभिन्न स्तर की दिव्यांगता की वजह से बाहर कर दिया गया है.

## नए दौर की राजनीति में नई जेनरेशन, बंगाल चुनाव में इस बार परिवारवाद कितना हावी

**स्वतंत्र प्रभात संवाददाता**

पश्चिम बंगाल एक ऐसा राज्य रहा है, जिसने लंबे समय तक विरासत की राजनीति को नकारा है, लेकिन 2026 के विधानसभा चुनाव एक अलग कहानी बता रही है. दशकों तक पश्चिम बंगाल बंगाल ने उत्तर प्रदेश और बिहार जैसे राज्यों में देखी जाने वाली वंशवादी संस्कृति का मजाक उड़ाया और इसके बजाय कॉलेज कैंपस, यूनियन रूम और सड़क पर होने वाले विरोध प्रदर्शनों से बनी राजनीतिक परंपरा को तरजीह दी है, लेकिन इस चुनाव में वह परंपरा बदलती दिख रही है. ममता बनर्जी से लेकर बुद्धदेव भट्टाचार्य और अधीर चौधरी से लेकर दिलीप घोष जैसे नेता आंदोलन और संगठन से उभरे हैं, लेकिन इस बार पार्टी लाइन से हटकर, तृणमूल कांग्रेस और भारतीय जनता पार्टी से लेकर कांग्रेस और भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी (मार्क्सवादी) तक, अब बहुत सारे उम्मीदवार जाने-माने राजनीतिक परिवारों हैं. नए दौर की राजनीति में राजनीतिक नेताओं की नई जेनरेशन ने अपना कदम बढ़ा दिया है. तृणमूल कांग्रेस ने सबसे ज्यादा ऐसे उम्मीदवार उतारे हैं, जिनका राजनीतिक परिवारों से नाता रहा है, लेकिन यह ट्रेंड अलग-अलग विचारधाराओं में फैला हुआ है. यहां तक ??कि जो पार्टियां कभी वंशवाद की राजनीति की आलोचना करती थीं, वे भी अब जाने-पहचाने नेताओं की नई पीढ़ी पर भरोसा कर रही है. और यह बदलाव जमीनी स्तर पर दिख रहा है.

**तृणमूल कांग्रेस: परिवारवाद की सूची में सबसे आगे**

पश्चिम बर्दवान में तृणमूल कांग्रेस ने पूर्व मंत्री मलय घटक को आसनसोल उत्तर से मैदान में उतारा है, जबकि उनके भाई अभिजीत घटक पास के कुल्टी से चुनाव लड़ रहे हैं. इसी तरह से दक्षिण 24 परगना जिले में बेहाला पूर्व की मौजूदा विधायक रत्ना चट्टोपाध्याय को बेहाला पश्चिम भेजा गया है, जबकि उनके भाई सुभाशीष दास को महेशतला से उम्मीदवार बनाया गया है. यह सीट कभी उनके पिता दुलाल दास के पास थी. तृणमूल कांग्रेस ने मंत्री बेचाराम मन्ना को सिंगूर से और उनकी पत्नी कराबी को हरिपाल से भी बनाए रखा है. वहीं, चार बार के सांसद कल्याण बनर्जी के बेटे सिरसान्या बंदोपाध्याय उत्तरपारा से चुनाव लड़ रहे हैं. एंटाली में टीएमसी विधायक स्वर्ण कमल साहा की जगह उनके अपने बेटे संदीपन साहा को उम्मीदवार बनाया गया है, जबकि पानीहाटी से मौजूदा विधायक निर्मल घोष की जगह उनके बेटे तीर्थंकर घोष चुनाव लड़ेंगे. मानिकतला में टीएमसी ने दिवंगत मंत्री साधन पांडे की बेटी श्रेया पांडे और मौजूदा विधायक सुप्ती पांडे को मैदान में उतारा है. इसी तरह से बागदा से मधुपर्णा ठाकुर, पूरबस्थली नॉर्थ से वसुंधरा गोस्वामी और बनगांव दक्षिण से ऋतुपर्णा अध्या सभी अपनी राजनीतिक विरासत को आगे बढ़ा रही हैं.

**भाजपा और कांग्रेस: 'परिवारवाद' का बढ़ता रुझान**

ऐसा नहीं है कि केवल टीएमसी ने उम्मीदवारों के चयन में परिवारवाद को तरजीह दी है. बीजेपी भी परिवारवाद पर अपने हमलों के बावजूद, बहुत पीछे नहीं है. पूर्व मेदिनीपुर में, एगरा से दिव्येंदु अधिकारी की उम्मीदवारी उनके परिवार के बढ़ते असर को दिखाती है. वह नेता प्रतिपक्ष सुवेंदु अधिकारी के भाई हैं. इसी तरह से भाटपाड़ा में पूर्व सांसद अर्जुन सिंह के बेटे पवन सिंह मैदान में हैं, जबकि अर्जुन खुद नोआपारा से चुनाव लड़ रहे हैं. बीजेपी का मतुआ चेहरा, सुब्रत ठाकुर, भी एक बड़े राजनीतिक परिवार का हिस्सा हैं, जबकि उनकी रिश्तेदार सोमा, जो बागदा से चुनाव लड़ रही हैं. उनका अपनी भाभी मधुपर्णा ठाकुर के साथ सीधा मुकाबला है. वह टीएमसी से उम्मीदवार हैं. इसी तरह से बारानगर में, बीजेपी उम्मीदवार सजल घोष पूर्व कांग्रेस नेता प्रदीप घोष की विरासत को आगे बढ़ा रहे हैं.

**परिवारवाद से लेफ्ट भी अछूता नहीं**

कांग्रेस, जो अपनी जगह बनाए रखने के लिए संघर्ष कर रही है, वह भी पुराने नामों पर भरोसा कर रही है. कांग्रेस नेता दिवंगत एनबीए गनी खान चौधरी की भतीजी, पूर्व सांसद मौसम नूर, तृणमूल कांग्रेस से कांग्रेस में लौटने के बाद मालतीपुर से चुनाव लड़ रही हैं. वहीं, बागमुंडी में, कांग्रेस ने पूर्व सांसद देबेंद्र महतो के बेटे नेपाल महतो को मैदान में उतारा है, जबकि सोमेन मित्रा के बेटे रोहन मित्रा, बल्लीगंज से चुनाव लड़ रहे हैं. उत्तर बंगाल में, अली इमरान रम्ज, या विक्टर, गोलपोखर से एक और राजनीतिक वंश को आगे बढ़ा रहे हैं. परिवारवाद से लेफ्ट भी इससे अछूता नहीं रहा है. माकपा ने पूर्व मंत्री गौतम देब के बेटे सप्तर्षि देब को राजारहाट-न्यू टाउन से मैदान में उतारा है, जबकि पूर्व विधायक पद्मा निधि धर की पोती, युवा नेता दिप्सिता धर, दमदम उत्तर से चुनाव लड़ रही हैं.

## हम केजरीवाल के सिपाही, सीखी निडरता राघव चड्ढा मुद्दे पर भगवंत मान समेत इन AAP नेताओं ने दी सफाई

**स्वतंत्र प्रभात संवाददाता**

पंजाब से राज्यसभा सदस्य राघव चड्ढा को उपनेता पद से हटाये जाने को आम आदमी पार्टी ने समान्य कार्रवाई बताया है. पार्टी ने राघव चड्ढा पूछा है कि वह देश और पार्टी से जुड़े मुद्दों पर भाजपा या मोदी सरकार के खिलाफ क्यों नहीं बोल रहे हैं? लगातार पार्टी लाइन के खिलाफ काम क्यों रहे थे. मुख्य चुनाव आयुक्त के खिलाफ महाभियोग के प्रस्ताव पर हस्ताक्षर करने का मसला हो या एलपीजी संकट पर सदन में बोलने का मौका, राघव चड्ढा ने पार्टी व्हिप का उल्लंघन क्यों किया. आम आदमी पार्टी के नेताओं ने यह सवाल भी उठाया कि एक लंबे अरसे से राघव चड्ढा ने संसद में ऐसा कोई मुद्दा क्यों नहीं उठाया जिसमें मोदी सरकार से सीधे सवाल हों. पार्टी का कहना है कि केजरीवाल ने सबको निडरता और साहस से लड़ना सिखाया है, लेकिन राघव चड्ढा भाजपा और मोदी सरकार से सवाल करने से डर रहे हैं.

**सदन में विपक्ष एकमत में फैसला लेता है**

पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत मान ने कहा कि कई बार लोकसभा और राज्यसभा में सभी विपक्षी पार्टियों को एकमत में फैसला

लेना होता है. जैसे सदन से वॉकआउट करना या सरकार की नीतियों का विरोध करना हो. अगर कोई व्यक्ति इन सामूहिक फैसलों का समर्थन नहीं करता है और पार्टी लाइन के विपरीत जाता है तो फिर वह पार्टी के व्हिप के खिलाफ है. कोई भी पार्टी के व्हिप के खिलाफ जाएगा, तो उस पर कार्रवाई होगी. आप सांसद संजय सिंह ने कहा कि हम लोग अरविंद केजरीवाल के सच्चे सिपाही हैं और हमने अरविंद केजरीवाल से एक ही बात सीखी है- निडरता, हिम्मत और साहस के साथ लड़ना और संघर्ष करना. लेकिन बड़े अफसोस के साथ यह कहना पड़ रहा है कि देश के तमाम मुद्दों पर राघव चड्ढा ने हस्ताक्षर नहीं किया. संजय सिंह ने कहा कि जनहित से जुड़े जो मुद्दे, देश, आम आदमी पार्टी और पार्टी के कार्यकर्ताओं से जुड़े हुए हैं, उन पर राघव चड्ढा चुप रहते हैं.

**चुनाव आयोग के मुद्दे पर भी रहे चुप**

आम आदमी पार्टी के दिल्ली प्रदेश अध्यक्ष सौरभ भारद्वाज ने राघव चड्ढा ने कहा कि पिछले कुछ दिनों में हमने देखा है कि जो भी व्यक्ति सरकार के खिलाफ गंभीर मुद्दे उठाता है, सरकार से सवाल पूछता है और लोगों की बात करता है, सरकार एक तानाशाह की तरह उसे तमाम सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर बैन कर रही है. चाहे वह एक्स हो, फेसबुक हो या यूट्यूब, हर जगह बैन किया जा रहा है. दिल्ली विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष आतिशी ने कहा कि आज हमारे देश के लोकतंत्र और संविधान पर खतरा मंडरा रहा है. आज हमारी आंखों के सामने चुनाव आयोग का दुरुपयोग करके पश्चिम बंगाल का चुनाव चुराया जा रहा है, लेकिन वह उस पर सवाल नहीं उठा रहे हैं. आम आदमी पार्टी के राष्ट्रीय मीडिया प्रभारी अनुराग ढांडा ने कहा कि पश्चिम बंगाल में वोट का अधिकार छीना जा रहा है. सदन में मुख्य निर्वाचन आयुक्त के खिलाफ प्रस्ताव आया तो भाई साहब ने साइन करने से मना कर दिया. देश के असली मुद्दों पर बोलने से घबराते हैं

## 28 मौतों से इस गांव में डर का साया, पुजारी के कहने पर लोगों ने छोड़ा घर; जंगल में डाला डेरा

**स्वतंत्र प्रभात संवाददाता**

तेलंगाना के करीमनगर जिले के गांद्रपल्ली गांव में बीते तीन महीनों में 28 लोगों की मौत के बाद भय और अंधविश्वास का माहौल बन गया है. लगातार हो रही मौतों से डरे ग्रामीणों ने गांव को खाली कर जंगल में जाकर अनुष्ठान करने का फैसला लिया. गांव में हाल के महीनों में न केवल बुजुर्गों बल्कि युवाओं की भी मौत हुई है. इस असामान्य स्थिति ने ग्रामीणों के बीच डर का माहौल पैदा कर दिया है. कई लोगों का मानना है कि गांव पर किसी 'बुरी शक्ति' का साया है, जिसके चलते ये घटनाएं हो रही हैं.

**पुजारी की सलाह पर गांव खाली**

ग्रामीणों ने गांव के बुजुर्गों और पुजारियों से समाधान मांगा. कथित तौर पर गांव की कुंडली देखने के बाद पुजारी ने इसे गंभीर विपत्ति बताया और विशेष अनुष्ठान करने की सलाह दी. इसके बाद ग्रामीणों ने पारंपरिक रीति-रिवाजों के तहत 'दप्पू' अनुष्ठान किया और गुरुवार सुबह अपने घरों में ताला लगाकर बच्चों सहित गांव के बाहर जंगल क्षेत्र में चले गए वहां उन्होंने पूजा-अर्चना कर देवी-देवताओं से प्रार्थना की. इस दौरान पूरा गांद्रपल्ली गांव खाली और वीरान नजर आया. आमतौर पर उत्सवों से भरा रहने वाला यह गांव अब भय के साये में डूबा हुआ है. हालांकि ग्रामीण अंधविश्वास के आधार पर कदम उठा रहे हैं, लेकिन विशेषज्ञों का मानना है कि इन मौतों के पीछे वैज्ञानिक कारण हो सकते हैं. सामाजिक कार्यकर्ताओं ने प्रशासन से गांव में मेडिकल कैंप लगाने और लोगों की जांच कराने की मांग की है, ताकि असली वजह सामने आ सके और लोगों में फैले डर को दूर किया जा सके. दरअसल, स्वास्थ्य विशेषज्ञों का कहना है कि गांव में हो रही मौतें के कुछ कारण हो सकते हैं, जिसमें दूषित पानी, संक्रामक बीमारी और अन्य स्वास्थ्य समस्याएं. फिलहाल गांव में स्थिति असामान्य बनी हुई है. प्रशासन के लिए यह जरूरी है कि वह जल्द से जल्द जांच कर मौतों के असली कारणों का पता लगाए, ताकि अंधविश्वास की जगह जागरूकता और सही इलाज को बढ़ावा मिल सके.

# पीएनजी संकट की चपेट में उद्योग महंगे ईंधन और अनिश्चित भविष्य के बीच डगमगाता औद्योगिक संतुलन

मध्य प्रदेश के औद्योगिक हृदय कहे जाने वाले इंदौर में इन दिनों पाइप्ड नेचुरल गैस (पीएनजी) का संकट केवल एक अस्थायी समस्या नहीं, बल्कि एक गहरे आर्थिक दबाव का संकेत बनकर उभरा है। अंतरराष्ट्रीय स्तर पर ईरान, इजराइल और अमेरिका के बीच बढ़ते तनाव ने ऊर्जा बाजार को अस्थिर कर दिया है, जिसका सीधा असर स्थानीय उद्योगों पर पड़ रहा है। जो पीएनजी कभी स्वच्छ और किफायती विकल्प के रूप में उद्योगों को अपनाने के लिए प्रेरित किया गया था, वही अब उनके अस्तित्व के लिए चुनौती बनती दिखाई दे रही है। इंदौर के औद्योगिक क्षेत्रों में पिछले कुछ दिनों में जो स्थिति बनी है, उसने छोटे और मध्यम उद्योगों की नींव तक हिला दी है। गैस के दामों में अचानक लगभग दोगुनी वृद्धि ने उत्पादन लागत को असंतुलित कर दिया है। जो गैस पहले 50 से 55 रुपए प्रति यूनिट मिलती थी, वही अब 100 रुपए या उससे अधिक पर पहुंच चुकी है। इसके साथ ही 55 प्रतिशत कोटा प्रणाली लागू होने से उद्योगों के सामने दोहरी मार पड़ी है। उत्पादन की आवश्यकताओं के अनुरूप गैस उपलब्ध नहीं हो रही, और यदि अतिरिक्त गैस ली जाती है तो उसके लिए और भी अधिक कीमत चुकानी पड़ती है।

यह स्थिति विशेष रूप से एमएसएमई क्षेत्र के लिए बेहद गंभीर है। छोटे उद्योग, जिनकी पूंजी सीमित होती है और जो रोजाना के उत्पादन और बिक्री पर निर्भर रहते हैं, उनके लिए यह बढ़ी हुई लागत और सीमित आपूर्ति किसी बड़े संकट से कम नहीं है। इंदौर के सांवेर रोड, पोलोग्राउंड और लक्ष्मीबाई नगर जैसे औद्योगिक क्षेत्रों में सैकड़ों फैक्ट्रियां पूरी तरह पीएनजी पर निर्भर हैं। फूड प्रोसेसिंग, मिठाई, नमकीन, मेटल और फैब्रिकेशन जैसे उद्योगों की उत्पादन प्रक्रिया गैस के बिना संभव नहीं है। ऐसे में यदि आपूर्ति बाधित होती है या लागत अत्यधिक बढ़ जाती है, तो उत्पादन ठप होना स्वाभाविक है।

इस संकट का एक और चिंताजनक पहलू यह है कि यह केवल उद्योगों तक सीमित नहीं रहेगा। उत्पादन लागत में वृद्धि का सीधा असर बाजार में उपलब्ध वस्तुओं की कीमतों पर पड़ेगा। बिस्कुट, नमकीन, मिठाइयों से लेकर कई घरेलू उत्पादों तक, हर चीज महंगी हो सकती है। अंततः इसका बोझ आम उपभोक्ता पर ही पड़ेगा। इस प्रकार यह संकट एक व्यापक आर्थिक प्रभाव उत्पन्न कर सकता है, जो महंगाई और बेरोजगारी दोनों को बढ़ावा देगा।

स्थिति को और जटिल बनाता है कंपनियों द्वारा अपनाया गया रवैया। उपभोक्ताओं से अतिरिक्त सिक्योरिटी डिपॉजिट की मांग और सप्लाई काटने की चेतावनी ने उद्योगपतियों में असंतोष को जन्म दिया है। पहले से ही मंदी की मार झेल रहे व्यापारी और उद्योगपति इस अतिरिक्त वित्तीय दबाव को वहन करने की स्थिति में नहीं हैं। ऐसे में यह सवाल उठना स्वाभाविक है कि क्या नियामक संस्थाएं और सरकार इस स्थिति पर समय रहते हस्तक्षेप करेंगी या नहीं।

हालांकि गैस आपूर्ति कंपनियों का तर्क है कि यह संकट कृत्रिम नहीं बल्कि अंतरराष्ट्रीय परिस्थितियों का परिणाम है। औद्योगिक और वाणिज्यिक क्षेत्र के लिए गैस का बड़ा हिस्सा अंतरराष्ट्रीय स्पॉट मार्केट से आता है, जहां कीमतें तेजी से बदलती हैं। वर्तमान वैश्विक तनाव के कारण गैस की कीमतों में वृद्धि स्वाभाविक है, और इसी का प्रभाव उपभोक्ताओं पर पड़ रहा है। घरेलू और सीएनजी उपभोक्ताओं को फिलहाल इससे राहत है क्योंकि उनके लिए गैस का स्रोत मुख्यतः घरेलू उत्पादन है।

फिर भी, यह तर्क उद्योगों की तत्काल समस्याओं का समाधान नहीं करता। यदि उत्पादन घटता है या फैक्ट्रियां बंद होती हैं, तो इसका सीधा असर रोजगार पर पड़ेगा। हजारों श्रमिकों की आजीविका संकट में आ सकती है। एक शहर जो अपनी औद्योगिक गतिविधियों के लिए जाना जाता है, वहां आर्थिक ठहराव की स्थिति उत्पन्न होना किसी भी दृष्टि से चिंताजनक है।

वर्तमान में भले ही स्थिति नियंत्रित दिखाई दे रही हो, लेकिन भविष्य को लेकर आशंकाएं गहरी हैं। यदि अंतरराष्ट्रीय स्तर पर तनाव और बढ़ता है या युद्ध लंबा खिंचता है, तो ऊर्जा संसाधनों की कीमतों में और वृद्धि होना तय है। ऐसी स्थिति में पीएनजी के दाम 130 रुपए प्रति यूनिट या उससे अधिक तक पहुंच सकते हैं, जो अधिकांश छोटे उद्योगों के लिए असहनीय होगा। यह केवल एक आर्थिक संकट नहीं बल्कि औद्योगिक ढांचे के पुनर्गठन की आवश्यकता का संकेत भी है।

इस चुनौतीपूर्ण समय में आवश्यकता है संतुलित और दूरदर्शी नीति की। सरकार को चाहिए कि वह छोटे उद्योगों को अस्थायी राहत प्रदान करे, टैक्स में कमी पर विचार करे और वैकल्पिक ऊर्जा स्रोतों को बढ़ावा दे। साथ ही गैस आपूर्ति कंपनियों के साथ समन्वय स्थापित कर ऐसी व्यवस्था बनाई जाए, जिससे उद्योगों को स्थिर और उचित दरों पर ईंधन मिल सके। इंदौर का यह संकट एक स्थानीय समस्या भर नहीं है, बल्कि यह पूरे देश के औद्योगिक परिदृश्य के लिए एक चेतावनी है। वैश्विक घटनाओं का स्थानीय अर्थव्यवस्था पर कितना गहरा प्रभाव पड़ सकता है, यह इस स्थिति से स्पष्ट होता है। यदि समय रहते उचित कदम नहीं उठाए गए, तो यह संकट और गहराता जाएगा और इसका प्रभाव केवल उद्योगों तक सीमित न रहकर पूरे समाज पर पड़ेगा।

**कांतिलाल मांडोत**

# आतंकवाद और नक्सलवाद से मुक्ति के बाद भी सतर्कता बेहद जरूरी



देश की आंतरिक सुरक्षा के मोर्चे पर बीते वर्षों में जो परिवर्तन देखने को मिला है, वह निश्चित ही एक महत्वपूर्ण उपलब्धि के रूप में दर्ज किया जाएगा। केंद्र की नरेंद्र मोदी सरकार ने एक बार फिर यह संदेश देने का प्रयास किया है कि उसकी घोषणाएं केवल आश्वासन नहीं, बल्कि संकल्प हैं जिन्हें समयबद्ध तरीके से पूरा किया जा सकता है। कश्मीर में आतंकवाद के प्रभाव में कमी और नक्सलवाद के विरुद्ध निर्णायक कार्रवाई ने लंबे समय से चले आ रहे सुरक्षा संकट को काफी हद तक नियंत्रित किया है। कुछ वर्ष पहले तक लाल चौक जैसे संवेदनशील स्थानों पर आम नागरिकों का बेखौफ आना-जाना भी असंभव प्रतीत होता था, लेकिन आज यहां सामान्य जीवन की वापसी एक सकारात्मक संकेत है। यह परिवर्तन केवल सैन्य कार्रवाई का परिणाम नहीं, बल्कि राजनीतिक इच्छाशक्ति, रणनीतिक समन्वय और सुरक्षाबलों के सतत प्रयासों का समेकित प्रभाव है।

नक्सलवाद के संदर्भ में केंद्र और राज्यों के साझा प्रयासों ने निर्णायक मोड़ लाने का काम किया है। सरकार द्वारा निर्धारित समय सीमा 31 मार्च 2026 तक इस समस्या को समाप्त करने का लक्ष्य रखा गया था, और इसी दिशा में लगातार अभियान चलाए गए। सुरक्षा बलों की सख्त कार्रवाई, खुफिया तंत्र की सक्रियता और आत्मसमर्पण नीति के प्रभावी क्रियान्वयन ने नक्सली संगठनों की जड़ों को कमजोर किया है। बड़ी संख्या में उग्रवादियों का आत्मसमर्पण इस बात का संकेत है कि हिंसा का रास्ता अब उनके लिए टिकाऊ विकल्प नहीं रह गया है। हालांकि, यह उपलब्धि जितनी महत्वपूर्ण है, उससे कहीं अधिक महत्वपूर्ण इसे बनाए रखना है। इतिहास गवाह है कि जब भी किसी राष्ट्र ने सुरक्षा के मोर्चे पर ढिलाई बरती है, तब अस्थिरता ने पुनः सिर उठाया है। आतंकवाद और नक्सलवाद जैसी चुनौतियां केवल बंदूक की नोक से समाप्त नहीं होतीं; इनके पीछे वैचारिक, सामाजिक और आर्थिक कारण भी होते हैं, जिनका निरंतर समाधान आवश्यक है।

सीमा पार से सक्रिय आतंकी ताकतें भारत की स्थिरता और प्रगति को सहज रूप से स्वीकार नहीं करेंगी। ऐसे में सुरक्षा एजेंसियों की सतर्कता, खुफिया तंत्र की मजबूती और स्थानीय स्तर पर जनसहभागिता अत्यंत आवश्यक हो जाती है। साथ ही, विकास की धारा को उन क्षेत्रों तक पहुंचाना भी उतना ही जरूरी है, जहां कभी असंतोष ने उग्र रूप लिया था। अंततः, यह कहना अतिशयोक्ति नहीं होगी कि देश आज आतंकवाद और नक्सलवाद से मुक्ति की दिशा में एक मजबूत स्थिति में खड़ा है। लेकिन यह भी उतना ही सत्य है कि सुरक्षा एक सतत प्रक्रिया है, न कि एक बार हासिल कर लेने वाली उपलब्धि। इसलिए सरकार, सुरक्षा बलों और आम नागरिकों सभी को मिलकर यह सुनिश्चित करना होगा कि शांति और स्थिरता की यह उपलब्धि स्थायी बनी रहे तभी देश वास्तव में एक सुरक्षित, स्थिर और समृद्ध भविष्य की ओर अग्रसर हो सकेगा।

**अरविंद रावल**

# एआई का उदय, इंसानों का पतन: ऑरेकल से शुरू हुई खामोश क्रांति

**[ कॉर्पोरेट दुनिया का नया सच: इंसान खर्च है, मशीन निवेश ]**

**[ टुडे इज़ योर लास्ट वर्किंग डे — एआई युग का सबसे निर्मम वाक्य ]**

जिस दिन तलवारें चलती हैं, लोग चीख उठते हैं। जिस दिन गोलियां बरसती हैं, दुनिया उसे सुर्खियां बना देती है। लेकिन जब किसी देश के बारह हजार सपनों को खामोशी में दफना दिया जाए, तब कोई शोर नहीं उठता। न सायरन बजता है, न सड़कें रुकती हैं। बस मोबाइल स्क्रीन जलती है, इनबॉक्स खुलता है और कुछ ठंडे शब्द मेहनत, भरोसे और भविष्य को एक पल में राख कर देते हैं–टुडे इज़ योर लास्ट वर्किंग डे। ऑरेकल ने भारत में लगभग 12,000 कर्मचारियों को एक झटके में बाहर कर दिया। 31 मार्च 2026 की सुबह ठीक छह बजे बेंगलुरु, हैदराबाद और पुणे के हजारों घरों में उस सुबह चाय के कप हाथों में ही ठहर गए। जो लोग रात तक खुद को सुरक्षित मान रहे थे, वे सुबह बेरोज़गार थे। यह सिर्फ नौकरी जाने की घटना नहीं थी। यह उस नए दौर का ऐलान था, जिसमें मशीनें आगे बढ़ रही हैं और इंसान पीछे धकेले जा रहे हैं।

ऑरेकल की भारत में कुल कार्यशक्ति लगभग 30,000 थी। उनमें से 40 प्रतिशत से अधिक लोगों को हटाना किसी सामान्य पुनर्गठन का हिस्सा नहीं कहा जा सकता। इसके पीछे साफ आर्थिक गणित है। कंपनी इस समय एआई आधारित डेटा सेंटर, क्लाउड ऑटोमेशन और जेनरेटिव सिस्टम्स पर लगभग 156 अरब डॉलर लगा रही है। इतनी बड़ी पूंजी जुटाने का सबसे आसान रास्ता लागत घटाना है, और वैश्विक कंपनियों के लिए भारत हमेशा सबसे सस्ता, सबसे अधिक इस्तेमाल होने वाला श्रम बाजार रहा है। इसलिए अमेरिका या यूरोप की तुलना में भारत में छंटनी करना उन्हें कम महंगा पड़ता है। यानी जिन भारतीय इंजीनियरों ने वर्षों तक कंपनी के लिए अरबों डॉलर कमाए, वही सबसे पहले बलि चढ़ गए।

इस छंटनी की सबसे बड़ी वजह केवल लागत घटाना नहीं, बल्कि तकनीक का बदलता चेहरा भी है। पहले एक बड़े प्रोजेक्ट के लिए सैकड़ों इंजीनियरों की जरूरत होती थी। कोई कोड लिखता था, कोई टेस्टिंग करता था, कोई डेटाबेस संभालता था, कोई रिपोर्ट बनाता था। कंपनी अब एआई डेटा सेंटर और क्लाउड ऑटोमेशन पर भारी निवेश कर रही है, जिससे कई दोहराए जाने वाले और रूटीन कार्यों में कम लोगों की जरूरत पड़ रही है। जेनरेटिव एआई कोड लिखने, टेस्टिंग और रिपोर्टिंग जैसे कामों को तेज़ कर रहा है, लेकिन छंटनी का मुख्य कारण विशाल एआई इंफ्रास्ट्रक्चर के खर्च के लिए कैश फ्लो जुटाना है। यही वजह है कि ऑरेकल जैसी कंपनियां कर्मचारियों को खर्च और एआई को निवेश मानने लगी हैं।

इन आंकड़ों के पीछे दबी सच्चाई कहीं अधिक भयावह और निर्मम है। बारह हजार कर्मचारियों की छंटनी केवल एक आंकड़ा नहीं, बारह हजार परिवारों पर टूटा हुआ संकट है। किसी ने हाल ही में घर खरीदा था और हर महीने भारी ईएमआई देनी थी। किसी के बच्चे का दाखिला बड़े स्कूल में हुआ था। कोई बूढ़े माता-पिता की दवाइयों और इलाज का सहारा था। पुणे का एक इंजीनियर, जो दस साल से कंपनी में था, सुबह रोज़ की तरह लॉग-इन करने बैठा, लेकिन उसका सिस्टम एक्सेस बंद था। कुछ ही मिनटों में उसे समझ आ गया कि जिस कंपनी को उसने अपनी जवानी और मेहनत दी, उसी ने उसे एक ईमेल में खत्म कर दिया।

कॉर्पोरेट दुनिया में वफादारी की कीमत अब शायद एक पासवर्ड से भी कम रह गई है।सबसे खतरनाक बात यह है कि यह पूरी तबाही लगभग खामोशी में हुई। न सड़कों पर प्रदर्शन हुआ, न बड़ी बहस, न टीवी चैनलों पर लगातार चर्चा। लोग चुपचाप अपना रिज्यूमे अपडेट करते रहे, लिंक्डइन पर 'ओपन टू वर्क' लिखते रहे और परिवार से छिपाते रहे कि उनकी दुनिया बदल चुकी है। यही वजह है कि इसे साइलेंट टेक रिवोल्यूशन कहा जा रहा है। यह ऐसी क्रांति नहीं है जिसमें कारखाने बंद दिखें या भीड़ सड़क पर उतर आए। यह वह क्रांति है जो बंद कमरे में, लैपटॉप स्क्रीन पर और एक क्लिक के साथ इंसान को सिस्टम से बाहर कर देती है। बाहर सब सामान्य दिखता है, लेकिन भीतर हजारों ज़िंदगियां टूट रही होती हैं।

यह सिर्फ ऑरेकल की कहानी नहीं है। गूगल, माइक्रोसॉफ्ट, अमेजन और दूसरी बड़ी टेक कंपनियां भी तेजी से उसी दिशा में बढ़ रही हैं। वे लगातार ऐसे एआई सिस्टम बना रही हैं जो इंसानों का काम घटा सकें। भारत की आईटी इंडस्ट्री वर्षों से आउटसोर्सिंग मॉडल पर टिकी रही। विदेशी कंपनियां यहां इसलिए आईं क्योंकि भारतीय इंजीनियर कम पैसे में ज्यादा काम करते थे। लेकिन अब वही कंपनियां मशीनों को भारतीय इंजीनियरों से भी सस्ता और तेज़ मानने लगी हैं। भारत हर साल लाखों इंजीनियर तैयार करता है, लेकिन उनमें से अधिकतर को वही कौशल सिखाए जाते हैं जो आसानी से ऑटोमेट हो सकते हैं। अगर शिक्षा और उद्योग का यही मॉडल चलता रहा, तो आने वाले वर्षों में डिग्रियां बढ़ेंगी, लेकिन नौकरियां घटती जाएंगी।

यही वह क्षण है जब भारत को अपनी सोच बदलनी होगी। हमें सिर्फ कोड लिखने वाले तकनीकी मजदूर नहीं, तकनीक बनाने वाला राष्ट्र बनना होगा। अगर भारतीय युवा केवल पुराने सॉफ्टवेयर और दोहराए जाने वाले काम सीखते रहेंगे, तो एआई उन्हें धीरे-धीरे अप्रासंगिक बना देगा। लेकिन अगर वही युवा मशीन लर्निंग, एआई रिसर्च, रोबोटिक्स, साइबर सुरक्षा, चिप डिजाइन और डेटा साइंस जैसे क्षेत्रों में आगे बढ़ें तो वे इस बदलाव के शिकार नहीं, उसके निर्माता बन सकते हैं। सरकार को भी केवल 'स्किल इंडिया' का नारा नहीं देना चाहिए। अब समय 'एआई इंडिया' की वास्तविक नीति बनाने का है, जिसमें कॉलेजों, विश्वविद्यालयों और प्रशिक्षण संस्थानों को पूरी तरह बदला जाए।

ऑरेकल की यह छंटनी एक कठोर लेकिन जरूरी सच सामने लाती है–भविष्य में नौकरी नहीं, केवल कौशल सुरक्षित होंगे। अब किसी कंपनी के साथ वर्षों की वफादारी आपको नहीं बचा सकती। आपको हर कुछ वर्षों में खुद को बदलना होगा, नई तकनीक सीखनी होगी और मशीन से आगे सोचने की क्षमता बनानी होगी। बारह हजार सपनों का यह डिजिटल कत्लेआम सिर्फ एक खबर नहीं, आने वाले समय की चेतावनी है। अगर भारत ने इस चेतावनी को नहीं समझा, तो अगली बार संख्या और बड़ी हो सकती है। लेकिन अगर हम इस दर्द को सबक बना लें, तो वही भारत, जिसे आज एआई से डराया जा रहा है, कल एआई की दुनिया का नेतृत्व कर सकता है।

**प्रो. आरके जैन 'अरिजीत'**

# दायित्व बोध से ही श्रेष्ठ राष्ट्र का निर्माण

**अधिकार और उत्तरदायित्व एक ही सिक्के के दो पहलु।**

प्रख्यात चिंतक वाल्टेयर ने कहा था जितने अधिक अधिकार, उतनी अधिक जिम्मेदारी। यह कथन आज के संदर्भ में अत्यंत प्रासंगिक प्रतीत होता है। स्वतंत्रता तभी सार्थक है जब वह संयम और जिम्मेदारी से संचालित हो अन्यथा वह स्वच्छंदता बनकर अराजकता को जन्म देती है। मानव सभ्यता के विकास की समूची यात्रा यदि किसी सूक्ष्म सूत्र में पिरोई जा सकती है, तो वह है,अधिकार और उत्तरदायित्व का संतुलन। यह संतुलन ही वह धुरी है, जिस पर व्यक्ति, समाज और राष्ट्र की संरचना और आधारशिला टिकती है। प्रख्यात चिंतक वाल्टेयर का यह कथन जितने अधिक अधिकार, उतनी अधिक जिम्मेदारी,केवल एक वाक्य नहीं, बल्कि लोकतांत्रिक जीवन का शाश्वत सिद्धांत है। आज जब आधुनिकता के प्रवाह में मनुष्य अधिकारों की नई-नई परिभाषाएँ गढ़ रहा है, तब यह प्रश्न और भी महत्वपूर्ण हो जाता है कि क्या हम अपने उत्तरदायित्वों के प्रति उतने ही सजग हैं जितने अपने अधिकारों के प्रति? स्वतंत्रता का अर्थ केवल बंधनों से मुक्ति नहीं है, बल्कि वह एक अनुशासित चेतना का नाम है। जब स्वतंत्रता संयम और उत्तरदायित्व से संचालित होती है, तभी वह समाज में समरसता और प्रगति का मार्ग प्रशस्त करती है; अन्यथा वही स्वतंत्रता स्वच्छंदता बनकर अराजकता को जन्म देती है। राष्ट्रपिता महात्मा गांधी जी ने भी स्पष्ट कहा था कि कर्तव्यों के हिमालय से अधिकारों की गंगा बहती है, यह कथन इस मूल को इंगित करता है कि अधिकारों की प्राप्ति का मूल स्रोत हमारे कर्तव्यों का निष्ठापूर्वक पालन ही है।

भारतीय लोकतंत्र की आधारशिला भारतीय संविधान में निहित है, जिसने नागरिकों को व्यापक मूल अधिकार प्रदान किए। यह व्यवस्था उन ऐतिहासिक विषमताओं को दूर करने के लिए थी, जिनसे समाज का एक बड़ा वर्ग पीड़ित रहा था। परंतु इसी संविधान ने मौलिक कर्तव्यों का भी उल्लेख किया, ताकि अधिकारों का उपयोग संतुलित, मर्यादित और राष्ट्रहितकारी बना रहे। यह द्वंद्व नहीं, बल्कि द्वैत में एकता का अद्भुत उदाहरण है। हाल के वर्षों में माननीय सुप्रीम कोर्ट ऑफ़ इंडिया द्वारा निजता के अधिकार को मौलिक अधिकार के रूप में मान्यता देना नागरिक स्वतंत्रता की दिशा में एक ऐतिहासिक मील का पत्थर सिद्ध हुआ। किंतु यह भी उतना ही सत्य है कि इस अधिकार के साथ यह दायित्व भी जुड़ता है कि हम अपनी स्वतंत्रता का उपयोग इस प्रकार करें कि वह दूसरों के अधिकारों का अतिक्रमण न करे। अधिकारों की सीमा वहीं समाप्त हो जाती है, जहाँ दूसरे के अधिकारों का क्षेत्र आरंभ होता है। आधुनिक युग में जागरूकता का विस्तार हुआ है, किंतु नैतिक अनुशासन और कर्तव्य-बोध अपेक्षित गति से विकसित नहीं हो पाए हैं। परिणामस्वरूप समाज में एक विचित्र असंतुलन दिखाई देता है।अधिकारों की माँग प्रबल है, किंतु उत्तरदायित्व के निर्वहन में शिथिलता स्पष्ट है। यही असंतुलन लोकतंत्र की जड़ों को कमजोर करता है। संविधान के निर्माता डॉक्टर बी आर अंबेडकर जी ने चेताया था कि संविधान कितना भी अच्छा क्यों न हो, यदि उसे चलाने वाले लोग अच्छे नहीं होंगे, तो वह भी असफल हो जाएगा। यह कथन इस बात की पुष्टि करता है कि किसी भी व्यवस्था की सफलता उसके नागरिकों के चरित्र और जिम्मेदारी पर निर्भर करती है। लोकतंत्र में जनता अपने प्रतिनिधियों को इस विश्वास के साथ चुनती है कि वे लोककल्याण की भावना से शासन करेंगे। किंतु जब जनप्रतिनिधि अधिकारों के मद में अपने उत्तरदायित्वों को विस्मृत कर देते हैं, तब शासन व्यवस्था में भ्रष्टाचार, लालफीताशाही और निरंकुशता का प्रवेश हो जाता है। इस संदर्भ में अमेरिकी राष्ट्रपति अब्राहम लिंकन का यह कथन स्मरणीय है जनता का, जनता के लिए और जनता द्वारा शासन तभी संभव है, जब जनता स्वयं अपने कर्तव्यों के प्रति सजग हो। प्राचीन भारतीय चिंतन में भी अधिकार और कर्तव्य के इस संतुलन को अत्यंत महत्व दिया गया है। ऐतिहासिक चिंतक कौटिल्य ने अपने ग्रंथ 'अर्थशास्त्र' में स्पष्ट कहा है कि जिस राज्य की प्रजा कष्ट में हो, वहाँ शासक का वैभव नैतिक रूप से अनुचित है। यह विचार शासन और समाज के बीच उत्तरदायित्व की गहरी कड़ी को उजागर करता है।

सार्वजनिक जीवन में भी यह सिद्धांत समान रूप से लागू होता है। स्वच्छ सड़कें, शुद्ध जल, सुरक्षित वातावरण

ये सभी हमारे अधिकार हैं, किंतु इन्हें बनाए रखना हमारा दायित्व भी है। पर्यावरण संकट इसका ज्वलंत उदाहरण है। दलाई लामा जी ने कहा है कि यह पृथ्वी हमें हमारे पूर्वजों से विरासत में नहीं मिली, बल्कि हमने इसे अपने बच्चों से उधार लिया है। यदि हम इस उधार को संजोकर नहीं रखेंगे, तो आने वाली पीढ़ियाँ हमें कभी क्षमा नहीं करेंगी। आज मूल जरूरत इस बात की है कि हम अधिकार और उत्तरदायित्व के बीच कृत्रिम विभाजन को समाप्त करें और उन्हें एक समग्र दृष्टि से देखें। ये दोनों विरोधी नहीं, बल्कि सहयात्री हैं,एक के बिना दूसरा अधूरा है। जब व्यक्ति अपने अधिकारों के प्रति जितना सजग होता है, उतना ही अपने कर्तव्यों के प्रति भी हो जाता है, तभी समाज में संतुलन और समरसता स्थापित होती है।

राष्ट्रनिर्माण केवल सरकारों या नीतियों का परिणाम नहीं होता, बल्कि यह प्रत्येक नागरिक के छोटे-छोटे प्रयासों से निर्मित होता है। एक ईमानदार करदाता, एक सजग मतदाता, एक जिम्मेदार नागरिक,ये सभी राष्ट्र की नींव को मजबूत करते हैं। स्वामी विवेकानंद जी का यह आह्वान आज भी उतना ही प्रासंगिक है उठो, जागो और तब तक मत रुको, जब तक लक्ष्य की प्राप्ति न हो जाए। यह लक्ष्य केवल व्यक्तिगत सफलता का नहीं, बल्कि एक सशक्त, समृद्ध और नैतिक राष्ट्र के निर्माण का है। अतः यह स्पष्ट है कि अधिकार और उत्तरदायित्व एक ही सिक्के के दो पहलू हैं,अविभाज्य, अपरिहार्य और परस्पर पूरक। यदि हम केवल अधिकारों की माँग करेंगे और कर्तव्यों की उपेक्षा करेंगे, तो लोकतंत्र का स्वरूप विकृत हो जाएगा। किंतु यदि हम इन दोनों के बीच संतुलन स्थापित कर पाए, तो न केवल लोकतंत्र सुदृढ़ होगा, बल्कि राष्ट्र भी उन्नति के शिखर पर पहुँचेगा। समय की पुकार यही है कि हम अपने भीतर उत्तरदायित्व की उस ज्योति को प्रज्वलित करें, जो अधिकारों को प्रकाशमान करती है। यही सच्चा राष्ट्र-चिंतन है, यही लोकतंत्र की आत्मा है और यही भविष्य का पथ भी।

**संजीव ठाकुर**

# भारत की 16वीं जनगणना: एक व्यापक सांख्यिकीय और सामाजिक विश्लेषण

भारत जैसे विशाल और भौगोलिक विविधताओं से परिपूर्ण राष्ट्र में जनगणना को केवल जनसंख्या की गणना करने वाली एक यांत्रिक प्रशासनिक प्रक्रिया मान लेना इसकी महत्ता को कम करके आंकने जैसा होगा। वास्तव में, यह राष्ट्र-निर्माण की वह अदृश्य परंतु अत्यंत सुदृढ़ नींव है, जिस पर भविष्य के भारत की नीतियों, योजनाओं और विकास के सपनों की इमारत खड़ी होती है। यह एक ऐसा दर्पण है जिसमें देश अपनी वर्तमान स्थिति को देखता है और अपनी कमियों को पहचानकर सुधार के मार्ग प्रशस्त करता है। भारत में जनगणना का इतिहास काफी पुराना रहा है, लेकिन आगामी जनगणना 2026-27 अपने आप में कई अर्थों में असाधारण और युगांतकारी सिद्ध होने वाली है। यह न केवल देश की 16वीं और स्वतंत्रता के बाद की 8वीं जनगणना है, बल्कि यह एक लंबे अंतराल और वैश्विक महामारी के बाद बदली हुई परिस्थितियों में आयोजित की जा रही है। इस प्रक्रिया के माध्यम से सरकार को यह प्रामाणिक जानकारी प्राप्त होती है कि देश की जनसंख्या का वास्तविक वितरण क्या है, लोग किन सामाजिक और आर्थिक परिस्थितियों में जीवन यापन कर रहे हैं और उनकी शैक्षिक योग्यता के स्तर क्या हैं। यही कारण है कि इसे किसी भी विकसित समाज की योजना निर्माण प्रक्रिया की 'रीढ़' कहा जाता है।

इस जनगणना की समयरेखा को देखें तो यह अप्रैल 2026 से शुरू होकर मार्च 2027 तक चलेगी, जो दो चरणों में विभाजित है। प्रथम चरण में, जो अप्रैल से सितंबर 2026 तक संचालित होगा, 'मकान सूचीकरण' और 'आवास गणना' पर ध्यान केंद्रित किया जाएगा। इस दौरान देश के हर कोने में स्थित घरों की स्थिति, उनमें उपलब्ध बुनियादी सुविधाओं और लोगों के रहन-सहन के स्तर का विस्तृत विवरण एकत्र किया जाएगा। इसके उपरांत, फरवरी 2027 में दूसरा और सबसे महत्वपूर्ण चरण शुरू होगा, जिसमें जनसंख्या की वास्तविक गणना की जाएगी। यह पूरी प्रक्रिया अपने आप में प्रशासनिक कुशलता की एक कठिन परीक्षा की तरह है, क्योंकि इसमें करोड़ों लोगों के जीवन के सूक्ष्म पहलुओं को संग्रहित करना होता है। इस बार की जनगणना की सबसे क्रांतिकारी विशेषता इसका पूर्णतः डिजिटल होना है। आधुनिक भारत की बदलती तस्वीर को देखते हुए सरकार ने कागज-रहित जनगणना का जो निर्णय लिया है, वह प्रशासनिक दक्षता में एक लंबी छलांग है। मोबाइल एप, ऑनलाइन पोर्टल और अत्याधुनिक डेटा संग्रहण प्रणालियों के उपयोग से न केवल जानकारी एकत्र करने की गति बढ़ेगी, बल्कि मानवीय त्रुटियों की संभावना भी न्यूनतम हो जाएगी। डिजिटल माध्यम से डेटा का संग्रह होने के कारण रियल-टाइम मॉनिटरिंग संभव हो सकेगी, जिससे उच्चाधिकारी फील्ड में हो रहे काम की पल-पल की जानकारी रख सकेंगे।

डिजिटल तकनीक के समावेश का एक अन्य लाभ यह भी है कि इसमें जियो-टैगिंग और क्लाउड आधारित डेटा संग्रहण जैसी विधाओं का उपयोग किया जाएगा। इससे यह सुनिश्चित होगा कि कोई भी क्षेत्र गणना से छूट न जाए और न ही किसी व्यक्ति की जानकारी का दोहराव हो। यह पारदर्शिता और सटीकता आधुनिक लोकतंत्र की अनिवार्य शर्त है। इस तकनीकी बदलाव के साथ ही 'सेल्फ-एनुमरेशन' यानी 'स्व-गणना' की सुविधा भी इस बार एक बड़ा आकर्षण है। इसके अंतर्गत शिक्षित और जागरूक नागरिक स्वयं ऑनलाइन पोर्टल पर जाकर अपनी और अपने परिवार की जानकारी दर्ज कर सकते हैं। यह न केवल गणना कर्मियों के बोझ को कम करेगा, बल्कि नागरिकों में शासन की प्रक्रिया के प्रति भागीदारी का भाव भी जगाएगा। यह कदम दर्शाता है कि हम एक ऐसे डिजिटल समाज की ओर बढ़ रहे हैं जहाँ सरकार और नागरिक एक-दूसरे के पूरक के रूप में कार्य कर रहे हैं। अक्सर लोगों के मन में जनगणना को लेकर यह संशय रहता है कि उन्हें कई तरह के दस्तावेज़ दिखाने होंगे, लेकिन इस बार सरकार ने स्पष्ट कर दिया है कि किसी भी प्रकार के प्रमाण-पत्र की आवश्यकता नहीं होगी। यह नीति नागरिकों के मन से भय को दूर करने और उन्हें




सहजता से जानकारी साझा करने के लिए प्रोत्साहित करने की एक सराहनीय पहल है।

जनगणना 2026-27 का एक अत्यंत संवेदनशील और चर्चा का विषय जातिगत आंकड़ों का संग्रहण है। लगभग एक शताब्दी के बाद, यानी 1931 के बाद पहली बार, भारत अपनी सभी जातियों का व्यवस्थित डेटा एकत्र करने जा रहा है। भारतीय समाज की जटिलताओं को देखते हुए यह कदम सामाजिक न्याय की दिशा में एक ऐतिहासिक मोड़ साबित हो सकता है। जब तक हमारे पास विभिन्न वर्गों और जातियों की सटीक सामाजिक-आर्थिक स्थिति के आंकड़े नहीं होंगे, तब तक समावेशी विकास का लक्ष्य केवल एक नारा बनकर रह जाएगा। जातिगत आंकड़ों के माध्यम से यह स्पष्ट हो पाएगा कि कौन से समुदाय विकास की दौड़ में पीछे छूट गए हैं और किन क्षेत्रों में विशेष हस्तक्षेप की आवश्यकता है। यह आंकड़े सरकार को आरक्षण, छात्रवृत्ति और अन्य कल्याणकारी योजनाओं के वितरण में अधिक तार्किक और न्यायसंगत निर्णय लेने में सक्षम बनाएंगे। सामाजिक न्याय केवल आर्थिक सहायता देना नहीं है, बल्कि हाशिए पर खड़े अंतिम व्यक्ति को मुख्यधारा में शामिल करना है, और इसके लिए सटीक आंकड़ों से बेहतर कोई मार्गदर्शक नहीं हो सकता।

जनगणना के माध्यम से एकत्र किए गए ये आंकड़े केवल निर्जीव अंक नहीं होते, बल्कि ये भविष्य के भारत का मानचित्र तैयार करते हैं। किसी क्षेत्र में कितने नए स्कूलों की आवश्यकता है, कहाँ नए अस्पतालों का निर्माण होना चाहिए, और किन ग्रामीण इलाकों में पेयजल एवं सड़क जैसी बुनियादी सुविधाओं की कमी है इन सबका उत्तर जनगणना के डेटा में ही छिपा होता है। शिक्षा, स्वास्थ्य, रोजगार और आवास जैसी महत्वपूर्ण योजनाओं का सफल क्रियान्वयन तभी संभव है जब हमारे पास जनसंख्या के घनत्व और उनकी विशिष्ट आवश्यकताओं की जानकारी हो। उदाहरण के लिए, यदि आंकड़ों से यह पता चलता है कि किसी विशेष क्षेत्र में युवाओं की संख्या अधिक है, तो सरकार वहाँ कौशल विकास केंद्रों और रोजगार के अवसरों पर अधिक ध्यान केंद्रित कर सकती है। इसी प्रकार, बुजुर्गों की बढ़ती संख्या को देखते हुए स्वास्थ्य सुविधाओं और पेंशन योजनाओं के बजट का आकलन किया जा सकता है। यह प्रक्रिया संसाधनों के अपव्यय को रोकती है और उन्हें वहां पहुँचाती है जहां उनकी सबसे अधिक आवश्यकता है।

इस विशाल अभियान की सफलता पूरी तरह से नागरिकों की सक्रिय और ईमानदार भागीदारी पर टिकी है। जनगणना केवल एक सरकारी कार्यक्रम नहीं है, बल्कि यह राष्ट्र के प्रति प्रत्येक नागरिक का एक पवित्र दायित्व है। जब एक नागरिक अपनी जानकारी सही और स्पष्ट रूप से दर्ज कराता है, तो वह अनजाने में ही अपनी आने वाली पीढ़ियों के लिए एक बेहतर भविष्य की नींव रख रहा होता है। यदि जानकारी में त्रुटि होती है, तो उसके आधार पर बनने वाली योजनाएं भी त्रुटिपूर्ण हो जाती हैं, जिसका खामियाजा समाज को भुगतना पड़ता है। इसलिए, यह आवश्यक है कि समाज का प्रत्येक वर्ग, चाहे वह शहरी हो या ग्रामीण, शिक्षित हो या श्रमिक, इस अभियान को अपना समझकर इसमें सहयोग करे। राष्ट्र-निर्माण का अर्थ केवल सीमाओं की रक्षा करना ही नहीं है, बल्कि देश की वास्तविक तस्वीर को स्पष्ट करने में सहयोग देना भी है। समाज में समानता और न्याय को बढ़ावा देने के लिए भी जनगणना एक सशक्त माध्यम है। जब संसाधनों का वितरण न्यायसंगत होता है, तो समाज में असंतोष कम होता है और राष्ट्र की अखंडता मजबूत होती है।

आधुनिक युग में डेटा को 'नया तेल' कहा जाता है, और जब यह डेटा आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस और उन्नत डेटा एनालिटिक्स जैसी तकनीकों के साथ जुड़ता है, तो इसकी शक्ति कई गुना बढ़ जाती है। डिजिटल जनगणना के माध्यम से प्राप्त जानकारी का विश्लेषण करके सरकार भविष्य की चुनौतियों का पूर्वानुमान लगा सकेगी। बदलती जलवायु, शहरीकरण की तीव्र गति और बदलते जनसांख्यिकीय लाभांश के इस दौर में हमें ऐसी ही सूक्ष्म और सटीक जानकारी की आवश्यकता है। यह जनगणना न केवल भारत के सामाजिक और सांस्कृतिक स्वरूप का एक व्यापक चित्र प्रस्तुत करेगी, बल्कि यह वैश्विक मंच पर भारत की बढ़ती तकनीकी क्षमता का भी प्रमाण बनेगी। अंततः, 2026-27 की यह जनगणना भारत के लिए केवल एक गणना नहीं, बल्कि एक 'संकल्प यात्रा' है। यह संकल्प है एक ऐसे भारत के निर्माण का, जहाँ विकास की रोशनी अंतिम व्यक्ति तक पहुँचे, जहाँ योजनाएँ कागजों पर नहीं बल्कि जमीन पर प्रभावी हों, और जहाँ हर नागरिक की पहचान और उसकी आवश्यकता को सम्मान मिले। यदि यह प्रक्रिया अपनी पूर्ण गरिमा और सटीकता के साथ संपन्न होती है, तो आने वाले दशकों में भारत एक सशक्त, समृद्ध और समावेशी राष्ट्र के रूप में विश्व पटल पर अपनी नई पहचान दर्ज कराएगा। यह वह ऐतिहासिक अवसर है जहाँ तकनीक, प्रशासन और जन-भागीदारी का त्रिवेणी संगम भारत के स्वर्णिम भविष्य की पटकथा लिखेगा।

**महेन्द्र तिवारी**

**स्वामी-** स्वतंत्र प्रभात मीडिया, मुद्रक एवं प्रकाशक प्रीती शुक्ल द्वारा सुशीला स्टेडी बेल एकेडमी 117-मोहल्ला बिजय लक्ष्मी नगर परगना सौराचाद तहसील व जनपद सीतापुर से प्रकाशित तथा महावीर आफसेट 28, होनेट रोड लखनऊ से मुद्रित। सम्पादक रवि कुमार अवस्थी समाचार पत्र में तमे समस्त समाचार संवाददाताओं के अपने श्रोत एवं संकलन हैं, जिनसे सम्पादक का सहमत होना आवश्यक नहीं है। **नोट:** उपरोक्त सभी पद अवैतनिक एवं स्वयंसेवी हैं तथा समाचार पत्र से सम्बंधित सारे विवादों का न्याय क्षेत्र सीतापुर होगा। R.NI NO. UPHIN/2012/43078 मो0 नं0-9511151254, E-Mail: news@swatantraprabhat.com

## संक्षिप्त खबरें

### कोचिंग जा रही छात्राओं का पीछा करने वाला युवक पर केस दर्ज, इलाके में दहशत

**सरेनी रोड पर छात्राओं से छेड़खानी, पुलिस ने आरोपी की तलाश शुरू की**

**लालगंज (रायबरेली)।** कोतवाली क्षेत्र के सरेनी रोड पर कोचिंग पढ़ने आने-जाने वाली छात्राओं के साथ छेड़खानी का मामला सामने आया है। इस संबंध में पुलिस ने एक युवक के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया है। पीड़ित छात्रा के भाई ने पुलिस को शिकायती पत्र देकर बताया कि उसकी बहन जब भी कोचिंग पढ़ने जाती है या लौटती है, तभी धन्नीपुर गांव निवासी अंशु रास्ते में उसका पीछा करता है। आरोप है कि वह अश्लील हरकतें करता है और लगातार परेशान करता है। शिकायत में यह भी उल्लेख किया गया है कि आरोपी अन्य छात्राओं के साथ भी इसी तरह की हरकतें करता है, जिससे क्षेत्र में भय का माहौल बना हुआ है। मामले में प्रभारी निरीक्षक प्रमोद कुमार सिंह ने बताया कि आरोपी के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर लिया गया है और उसकी तलाश की जा रही है।

### कोचिंग जा रही छात्राओं का पीछा करने वाला युवक पर केस दर्ज, इलाके में दहशत

**सरेनी रोड पर छात्राओं से छेड़खानी, पुलिस ने आरोपी की तलाश शुरू की**

**लालगंज (रायबरेली)।** कोतवाली क्षेत्र के सरेनी रोड पर कोचिंग पढ़ने आने-जाने वाली छात्राओं के साथ छेड़खानी का मामला सामने आया है। इस संबंध में पुलिस ने एक युवक के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया है। पीड़ित छात्रा के भाई ने पुलिस को शिकायती पत्र देकर बताया कि उसकी बहन जब भी कोचिंग पढ़ने जाती है या लौटती है, तभी धन्नीपुर गांव निवासी अंशु रास्ते में उसका पीछा करता है। आरोप है कि वह अश्लील हरकतें करता है और लगातार परेशान करता है। शिकायत में यह भी उल्लेख किया गया है कि आरोपी अन्य छात्राओं के साथ भी इसी तरह की हरकतें करता है, जिससे क्षेत्र में भय का माहौल बना हुआ है। मामले में प्रभारी निरीक्षक प्रमोद कुमार सिंह ने बताया कि आरोपी के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर लिया गया है और उसकी तलाश की जा रही है।

### टैक्स बार एसोसिएशन लखनऊ का शपथ ग्रहण समारोह संपन्न

**लखनऊ।** दिनांक 24.2026 को शाम 3:00 बजे छठवां तल राज्य कर भवन मीराबाई मार्ग लखनऊ पर संपन्न हुआ जिसमें मुख्य अतिथि श्री प्रदीप कुमार सिंह सदस्य पूर्व सह अध्यक्ष बार काउंसिल आफ उत्तर प्रदेश में निर्वाचित सदस्यों को पद एवं गोपनीयता की शपथ दिलाई एवं विशिष्ट अतिथि श्री जानकी शरण पांडे जी सदस्य पूर्व अध्यक्ष बार काउंसिल आफ उत्तर प्रदेश द्वारा प्रमाण पत्र प्रदान किए गए निर्वाचित सदस्यों में क्रमशः अध्यक्ष श्री संजय कुमार सिंह वरिष्ठ उपाध्यक्ष संजय गुप्ता उपाध्यक्ष दुर्गा प्रसाद दुबे महामंत्री अवध बिहारी सिंह कोषाध्यक्ष राजकुमार सोनी संयुक्त मंत्री अनुज अग्निहोत्री व संदीप शुक्ला वरिष्ठकार्यकारिणी सदस्य राजीव कुमार श्रीवास्तव का भूपेश प्रताप सिंह कनिष्ठ कआर्यकारिणी सदस्य पारूल शुक्ला व अरविंद कुमार सिंह ने शपथ ली इस अवसर पर काफी संख्या में अधिवक्ता उपस्थित रहे।

### पैदल जा रहे व्यक्ति की सड़क हादसे में दर्दनाक मौत

**बिसवां सीतापुर** बिसवां कोतवाली क्षेत्र में सड़क हादसे में पैदल घर जा रहें व्यक्ति की दर्दनाक मौत हो गई। जानकारी के अनुसार बिसवां-महमूदाबाद मार्ग पर सेंट जेवियर स्कूल के पास उस समय हादसा हो गया, जब पैदल बिसवां से वापस लौट रहे एक व्यक्ति को अज्ञात वाहन ने जोरदार टक्कर मार दी। टक्कर इतनी तेज थी कि पैदल जा रहा व्यक्त गंभीर रूप से घायल होकर सड़क पर ही गिर पड़ा।घटना की सूचना मिलते ही पीआरबी-112 पुलिस टीम मौके पर पहुंची और स्थानीय लोगों व परिजनों की मदद से घायल को तत्काल सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र बिसवां पहुंचाया गया। जहां चिकित्सकों ने जांच के बाद उसे मृत घोषित कर दिया। मृतक की पहचान विक्रम 50 वर्ष पुत्र शिवनाथ यादव निवासी ग्राम खम्पापुरवा के रूप में हुई है।हादसे की खबर मिलते ही परिवार में कोहराम मच गया और परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल है। सूचना पर पहुंची बिसवां कोतवाली पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पंचनामा भरते हुए पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। पुलिस अज्ञात वाहन की तलाश में जुट गई है तथा आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों की जांच भी की जा रही है मामले में आगे की विधिक कार्रवाई जारी है।

# मेघावी बच्चों को मेडल, ट्राफी,गिफ्ट देकर किया गया सम्मानित

**स्वतंत्र प्रभात संवाददाता**

**मसूद खान संवाददाता**

**तंबौर सीतापुर** कंपोजिट विद्यालय तंबौर देहात विकास क्षेत्र बेहटा जनपद सीतापुर में परीक्षाफल वितरण,कक्षा 8 के बच्चों की विदाई और वार्षिकवोत्सव का कार्यक्रम धूम धाम से मनाया गया। साथ ही साथ नवीन नामांकन पर जोर देते हुये विद्यालय के प्रधानाध्यापक एस.पी.सिंह ने अभिभावकों से अपील की कि नवीन नामांकन शुरू हो गये है सभी अभिभावक 6 वर्ष से 14 वर्ष के बच्चों का नामांकन विद्यालय में अवश्य कराए।सरकार के द्वारा बच्चों को डी.बी.टी.के माध्यम से दी जाने वाली 1200 रुपया निःशुल्क धनराशि के बारे में बताया और विद्यालय में गुणवत्तायुक्त पठन पाठन पर प्रकाश डाला।कक्षा एक से आठ तक सभी मेघावी प्रथम,द्वितीय,तृतीय छात्र/छात्राओं को मेडल,ट्राफी,और गिफ्ट देकर पुरस्कृत किया गया। साथ ही साथ कक्षा 8 के बच्चों की विदाई समारोह किया गया और वार्षिकवोत्सव में गीत संगीत के माध्यम से विभिन्न सांस्कृतिक कार्यक्रम किए गए कक्षा 8 के बच्चों को आशीर्वाद देकर विदाई दी गई।कार्यक्रम में मुख्य अतिथि ग्राम प्रधान रामवती,ग्राम प्रधान प्रतिनिधि राजेंद्र प्रसाद विद्यालय प्रबंध समिति अध्यक्ष आशाराम विद्यालय के वरिष्ठ शिक्षक अवध नरेश सिंह विद्यालय के प्रधानाध्यापक एस. पी. सिंह सहायक अध्यापक कमलाकांत, अरविंद कुमार, रमेश चंद्र, कुलदीप दिनकर, शिक्षा मित्र आराधना सिंह अनुदेशक जीनत, मुकेश कुमार वर्मा, शराफत ग्राम वाशी, अभिभावक, रसोइया सहित कार्यक्रम में उपस्थिति रही।

# कृष्ण जन्म की कथा सुन भाव विभोर हुए श्रद्धालु, भजनों पर झूम उठा पूरा गांव

**स्वतंत्र प्रभात संवाददाता**

**लालगंज (रायबरेली)।** क्षेत्र के छमनीखेड़ा गांव में चल रही श्रीमद्भागवत कथा ज्ञान यज्ञ में आस्था का गहरा रंग देखने को मिला। पांचवें दिन कथा व्यास पंडित बृजनंदन शास्त्री ने भगवान श्रीकृष्ण के जन्म की मार्मिक कथा सुनाई। कथा सुनकर श्रोता भाव विभोर हो गए। कथा के दौरान कृष्ण जन्मोत्सव का प्रसंग आया तो पूरा माहौल भक्तिमय हो उठा। भजनों की धुन पर श्रद्धालु झूमने लगे। महिलाओं और युवाओं ने भी पूरे उत्साह से भाग लिया। कथा व्यास ने कहा कि जब जब धरती पर पाप और अत्याचार बढ़ता है तब भगवान स्वयं अवतार लेते हैं। कंस के अत्याचार से तीनों लोक कांप रहे थे। तब भगवान नारायण ने श्रीकृष्ण के रूप में जन्म लेकर अधर्म का अंत किया। उन्होंने बताया कि कंस को भविष्यवाणी हुई थी कि देवकी का आठवां पुत्र उसका वध करेगा। इसी भय से उसने देवकी और वासुदेव को कारागार में डाल दिया। लेकिन भगवान ने घनघोर अंधेरी रात में जन्म लिया। उस समय पहरेदार गहरी नींद में सो गए और दिव्य चमत्कार हुआ। कथा के दौरान भगवान श्रीकृष्ण की सुंदर झांकी प्रस्तुत की गई। इसे देखकर श्रद्धालु भाव विभोर हो उठे और पूरे पंडाल में जयकारे गूंजने लगे। इस मौके पर आयोजक मंडल के संरक्षक केशव प्रसाद तिवारी, शिवभूषण द्विवेदी, राजेंद्र दीक्षित, सत्यम त्रिपाठी, आनंद त्रिपाठी, मोनू दुबे, बसंत, मीनू त्रिपाठी, जया त्रिपाठी, बिन्नो दीक्षित, प्राची, रूची, चार्ली, नेहा, नंदिनी, ज्योती, आस्था, राजकुमारी, सुषमा, चांदनी आदि श्रद्धालु मौजूद रहे।

## भागवत कथा के दूसरे दिन चंद्रेश कृष्ण शास्त्री ने अमृतमयी कथा सुनाकर श्रोताओं को किया मंत्र मुग्ध

**स्वतंत्र प्रभात संवाददाता**

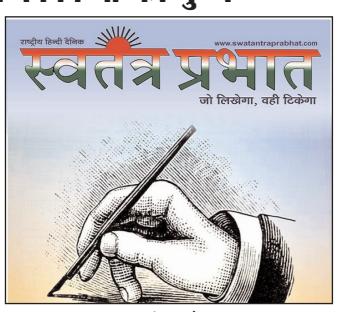


**महराजगंज/रायबरेली।** अखरी पोस्ट कसेरुवा जिला फतेहपुर में सप्तवेदी, गणेश आंबिका, रूद्र हनुमत देव, सहित मोक्षदायिनी श्रीमद् भागवत कथा का आयोजन मुख्य यजमान शिव सिंह, सपत्नीक किरन सिंह, के यहां आनंद मिश्रा के द्वारा संकल्पित सातवीं श्रीमद् भागवत कथा का हो रहा भव्य आयोजन। आपको बता दें कि, ग्राम सभा अखरी पोस्ट कसेरुवा जिला फतेहपुर में श्रीमद् भागवत कथा के दूसरे दिन बृहस्पतिवार को श्री अयोध्या धाम से पधारे कथा व्यास पंडित चंद्रेश कृष्ण शास्त्री ने बताया कि, राजा परीक्षित श्रापित होने के बाद श्री सुखदेव जी महाराज के द्वारा मोक्षदायिनी श्रीमद् भागवत कथा का पान करते हुए अपने जीवन को सार्थक कर रहे हैं। कथा व्यास पंडित चंद्रेश कृष्ण शास्त्री ने यह भी बताया कि, मोक्षदायिनी श्रीमद् भागवत कथा जो की सुखदेव जी महाराज राजा परीक्षित को सुना रहे हैं वह पावन पुनीत कथा मानव के अंदर आध्यात्मिक ऊर्जा का संचार करती है, और हम सब लोगों को पापों से मुक्त करती है। ऐसे ही विविध प्रसंगों पर कथा कहते हुए पंडाल में उपस्थित समस्त श्रोताओं को मंत्र मुग्ध कर दिया।

इस मौके पर यज्ञ शाला के मुख्य आचार्य पंडित सीताराम शास्त्री, यज्ञाचार्य सुबोध शास्त्री, उपयज्ञाचार्य योगेंद्र नाथ त्रिपाठी, व्यवस्थापक शीतला बख्श सिंह, श्रवण मिश्रा, शेर सिंह, विजय बहादुर सिंह, राजा सिंह चौहान, अक्षत सिंह, शुभम सिंह, मोनू सिंह, विक्रम सिंह, हर्षित सिंह, निखिल सिंह, रंग बहादुर सिंह, धीरेंद्र सिंह एवं समस्त मित्रगण सहित आदि भक्त उपस्थित रहे।

## बिसवां में सोनार समाज महापंचायत को लेकर बैठक सम्पन्न

**बिसवां (सीतापुर)-** आगामी 11 अप्रैल को लखनऊ में आयोजित होने वाली सोनार समाज की महापंचायत को सफल बनाने के उद्देश्य से आज बिसवां स्थित सनशाइन कॉन्वेंट स्कूल में एक महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई। बैठक में मुख्य अतिथि के रूप में प्रदेश अध्यक्ष आदर्श व्यापारी एसोसिएशन राजेश सोनी एवं लखनऊ महानगर सर्राफा एसोसिएशन के अध्यक्ष मनीष कुमार वर्मा उपस्थित रहे। उन्होंने समाज के लोगों को महापंचायत में अधिक से अधिक संख्या में पहुंचकर अपनी एकता का परिचय देने का आह्वान किया। इस दौरान वक्ताओं ने बताया कि लखनऊ के रविंद्रालय में आयोजित होने वाली इस महापंचायत में सोनार समाज की विभिन्न समस्याओं, अधिकारों एवं व्यापार से जुड़े मुद्दों पर विस्तृत चर्चा की जाएगी। साथ ही समाज को संगठित कर मजबूत बनाने पर भी जोर दिया गया। बैठक में स्थानीय पदाधिकारियों एवं समाज के गणमान्य लोगों ने बढ़-चढ़कर भाग लिया और कार्यक्रम को सफल बनाने के लिए अपने-अपने सुझाव दिए।

# नेशनल गर्ल्स कॉलेज में प्रबंधक सलाउद्दीन अंसारी द्वारा किया गया वार्षिक उत्सव का भव्य आयोजन

**स्वतंत्र प्रभात संवाददाता**

**सीतापुर-** पुराने सीतापुर के नेशनल गर्ल्स कॉलेज में हर वर्ष की भांति इस वर्ष भी वार्षिक उत्सव (एनुअल फंक्शन) का भव्य आयोजन स्कूल के प्रबंधक सलाहुद्दीन अंसारी द्वारा किया गया। कार्यक्रम में छात्राओं ने बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया और अपनी प्रतिभा का शानदार प्रदर्शन किया पूरे परिसर में उत्साह और उल्लास का माहौल देखने को मिला कार्यक्रम की शुरुआत नात ओर गीत के साथ की गई इसके बाद सांस्कृतिक कार्यक्रमों की श्रृंखला शुरू हुई छात्राओं ने रंग-बिरंगे परिधानों में आकर्षक नृत्य प्रस्तुत किए देशभक्ति, लोक संस्कृति और आधुनिक थीम पर आधारित प्रस्तुतियां सभी को खूब पसंद आई सिंगिंग परफॉर्मेंस ने भी दर्शकों का दिल जीत लिया कई छात्राओं ने अपनी मधुर आवाज से सबको मंत्रमुग्ध कर दिया नाट्य प्रस्तुति ने समाजिक संदेश भी दिया कार्यक्रम में अनुशासन और व्यवस्था का विशेष ध्यान रखा गया अभिभावक और अतिथि कार्यक्रम का भरपूर आनंद लेते नजर आए कार्यक्रम के दौरान प्रतिभागियों का उत्साह देखने लायक था छात्राओं की मेहनत और तैयारी साफ झलक रही थी विद्यालय प्रशासन ने कार्यक्रम को सफल बनाने में अहम भूमिका निभाई शिक्षकों का सहयोग भी सराहनीय रहा कार्यक्रम के अंत में पुरस्कार वितरण समारोह आयोजित किया गया प्रथम, द्वितीय और तृतीय स्थान प्राप्त करने वाली छात्राओं को मेडल और गिफ्ट देकर सम्मानित किया गया इस दौरान छात्राओं के चेहरों पर खुशी साफ दिखाई दी अतिथियों ने भी विजेताओं की सराहना की कार्यक्रम में आए सभी मुख्य अतिथियों को माला पहनाकर स्वागत किया गया इस अवसर पर कई गणमान्य लोग उपस्थित रहे संजय पुरी संस्थापक/राष्ट्रीय अध्यक्ष राजस्व सुरक्षा सेवा दल ने छात्राओं को प्रेरित किया। शिवनाथ मिश्र, एडवोकेट बार एसोसिएशन सीतापुर भी मौजूद रहे। सभी अतिथियों ने विद्यालय की व्यवस्थाओं की तारीफ की कार्यक्रम ने सभी को एकजुट करने का कार्य किया छात्राओं को अपनी प्रतिभा दिखाने का मंच मिला विद्यालय परिवार ने अतिथियों का आभार व्यक्त किया कार्यक्रम का समापन धन्यवाद ज्ञापन के साथ हुआ छात्राओं के प्रदर्शन ने सभी का दिल जीत लिया अभिभावकों ने भी कार्यक्रम की सराहना की यह आयोजन शिक्षा के साथ संस्कृति का सुंदर संगम बना छात्राओं में आत्मविश्वास बढ़ाने का यह अच्छा अवसर रहा विद्यालय ने एक बार फिर अपनी उत्कृष्टता साबित की कार्यक्रम यादगार बन गया सभी के चेहरे पर खुशी और संतोष नजर आया ऐसे आयोजन भविष्य में भी होते रहने की उम्मीद जताई गई।

# प्रशासन की शक्ति के बाद भी सफल रहा सपा का धरना प्रदर्शन भीड़ रोकने को पुलिस ने की घेराबंदी लगाए बैरियर

- **45 दिनों के अंदर किसानों को मिलेगा गन्ने का भुगतान**

**स्वतंत्र प्रभात संवाददाता**

**बरेली/नवाबगंज** मैं स्थित औरंगाबाद ओसवाल चीनी मिल बंद करने एवं किसानों का गन्ना भुगतान न होने को लेकर सपा के पूर्व मंत्री भगवत शरण गंगवार ने 17 मार्च को एसडीम नवाबगंज उदित पवार को ज्ञापन देकर अवगत कराया था यदि 31 मार्च तक किसानों को गन्ना भुगतान न दिया गया तो वह 2 अप्रैल 26 को धरना प्रदर्शन करेंगे जिसके तहत आज सपा ने अपना कार्यक्रम आयोजित किया इसे रोकने के लिए प्रशासन ने पूर्ण प्रयास किया परंतु सफल न हो सके सर्वप्रथम एसडीम नवाबगंज में धरना प्रदर्शन की अनुमति देने से इनकार कर दिया। और कहा धारा 144 लागू है इसलिए धरना देने की अनुमति नहीं दी जा सकती इस को लेकर पूर्व मंत्री भगवत शरण गंगवार ने कड़े शब्दों में स्पष्ट कर दिया था धरना होगा अंजाम कुछ भी हो यदि धारा 144 लागू थी तो प्रशासन ने समय रहते अवगत क्यों नहीं कराया गया साथ ही समस्याओं का भी निदान क्यों नहीं किया गया सूत्रों के अनुसार प्रशासन ने पूर्व मंत्री को घर में ही नजर बंद करने का प्लान बनाया था परंतु पूर्व मंत्री गैंगवार समय से पूर्व ही घर से बाहर निकल गए जिसकी प्रशासन को भनक तक नहीं लगी धरना में पहुंचने वाले किसानों को रोकने के लिए पुलिस प्रशासन ने जगह-जगह बैरियर लगाकर ट्रैक्टर ट्रालियों को रोक दिया गया।

ताकि भीड़ एकत्रित न हो सके इधर पूर्व मंत्री ने प्रातः 8:00 बजे ही दरी बिछा अकेले ही धरना पर बैठ गए किसकी भनक लगते सैकड़ो कार्य करता उनके समर्थन में एसडीएम आवास के समक्ष एकत्रित हो गए इधर प्रशासन ने भी पी ए सी सहित भारी पुलिस बल मौके पर तैनात कर दिया गया प्रशासन द्वारा धरना को सफल करने के लिए बीती शाम लगाई जा रहे टेंट को पुलिस प्रशासन ने बल पूर्वक हटवा दिया गया ताकि किसानों को भारी संकट का सामना करना ।

पड़े वही हुआ इस कड़कती धूप में किस किसी तरह धरना स्थल पर पहुंचे प्रशासन ने धरना समाप्त करने के लिए लंबी वार्ता की जिसमें पूर्व ब्लाक प्रमुख नरोत्तम दास मुन्ना पुरुषोत्तम गंगवार छेदा लाल दिवाकर साहित कई लोगों के साथ एसडीम नवाबगंज उदित पवार क्षेत्राधिकार मिश्रा प्रभारी निरीक्षक नवाबगंज अरुण कुमार श्रीवास्तव परंतु कोई भी हल्ला निकलने पर किसानों ने पटेल चौक पर कड़कती धूप में धरना देना प्रारंभ कर दिया। तो प्रशासन के हाथ पांव फूल गए और उन्होंने पूर्व मंत्री से धरना समाप्त करने की अपील की इस पर उन्होंने किसानों का भुगतान देने की स्पष्ट स्थिति करने की बात कही तो एसडीएम ने 45 दिन के अंदर किसानों का भुगतान करने का आश्वासन दिया इसके बाद पूर्व मंत्री भगवत शरण गंगवार धरना स्थल से उठकर पटेल चौक पर बैठे किसानों के बीच पहुंचकर उन्होंने और राज्यपाल को संबोधित ज्ञापन एसडीम नवाबगंज के द्वारा भेजने का आयोजन किया गया इस ज्ञापन में 16 बिंदुओं पर कार्यवाही करने की मांग राज्यपाल से की गई है ताकि किसानों को राहत भरी सांस मिल सके इसके लिए धरना सफल बनाने के लिए सपा के पूर्व जिला अध्यक्ष शिवचरण कश्यप सुबलेश यादव पूर्व महासचिव योगेश यादव भारती चौहान आदि जिला मुख्यालय से धरना में सम्मिलित हुए धरना में पूर्व ब्लाक प्रमुख नरोत्तम दास मुन्ना पूर्व ब्लाक प्रमुख पुरुषोत्तम गंगवार तेजप्रकाश गंगवार ओमेंद्र छेड़ लाल दिवाकर अरविंद कुमार व प्रवीण ह्न2 जिला पंचायत सदस्य नेहा गंगवार प्रोफेसर राशिद मलखान सिंह यादव मुख्तार अंसारी हारून डॉक्टर नुक्ता प्रसाद दिवाकर समेत भारी संख्या में मुख्य कार्य करता घर उपस्थित थे।

# मर्सी हॉस्पिटल लीजेंड क्रिकेट टूर्नामेंट के फ़ाइनल मुकाबले में एमएस खान जुगनू टी प्वाइंट की टीम ने एस के प्लाईवुड की टीम को 16 रन से हराया

- **अपने शानदार ऑलराउंडर प्रदर्शन की बदौलत मेन ऑफ द मैच वा मेन ऑफ द सीरीज बने नितिन वर्मा**
- **सफ़ल क्रिकेट टूर्नामेंट के लिए बधाई के पात्र हैं अम्मार नोमानी**

**स्वतंत्र प्रभात संवाददाता**

**तम्बौर सीतापुर** गांजर इण्टर कॉलेज के मैदान पर पांच दिवसीय लीजेंड क्रिकेट टूर्नामेंट का सफ़ल समापन किया गया। सीतापुर जिले के तंबौर कस्बे में पहली बार लीजेंड क्रिकेट टूर्नामेंट का आयोजन मर्सी हॉस्पिटल की तरफ से अम्मार नोमानी के द्वारा किया गया जिसमें क्षेत्र की कई टीमों ने भाग लिया फ़ाइनल मुकाबला एमएस खान जुगनू टी प्वाइंट वा एस के प्लाईवुड के बीच खेला गया जिसमें एसके प्लाईवुड की टीम ने टॉस जीतकर पहले गेंदबाजी करने का फैसला लिया 8 ओवर के फाइनल मुकाबले में एमएस खान जुगनू टी प्वाइंट की टीम ने 119 रन बनाए जिसमें नितिन वर्मा के 44 रन तारिक सब्बू बेग के 33 रन वा अरकम बेग 21 रन बनाए एसके प्लाईवुड की तरफ़ से अहमद खान ने सर्वाधिक चार विकेट लिए जवाब में लक्ष्य का पीछा करने उतरी एसके प्लाईवुड की टीम ने 8 ओवर में सिर्फ़ 103 रन ही बना पाई जिसमें अरबाज खान के 27 रन आमिर खान 17 रन , कप्तान शाहबाज खान 17 रन वा शोएब आलम जीनियस ने 15 रन बनाए जिसकी बदौलत एसके प्लाईवुड की टीम ने 8 ओवर में 103 रन बनाए और 16 से हार का सामना करना पड़ा नितिन वर्मा ने शानदार गेंदबाजी करते हुए अपने दो ओवर के स्पेल में मात्र 20 रन देकर तीन महत्वपूर्ण खिलाड़ियों को आउट किया। शाहनवाज लखनऊ ब्यूटी ने दो ओवर की गेंदबाजी में 13 रन देकर एक विकेट लिया वहीं कप्तान तारिक सब्बू बेग को एक विकेट मिला खिताब की प्रबल दावेदार रही एमएस खान जुगनू टी प्वाइंट टीम को ट्राफी के साथ 30000 का नकद पुरस्कार भी दिया गया वहीं उपविजेता टीम के कप्तान को ट्रॉफी के साथ 15000 रूपये पुरस्कार के तौर पर दिए गए वहीं अंपायरिंग का जिम्मा संभाले सीनियर क्रिकेट खिलाड़ी फहीम अय्यूबी, मुन्ना गौरी, सुल्तान टीपू, उस्मान खान, वा कॉमेंटेटर के तौर पर दिलशाद खान, शाहनवाज ब्यूटी, उस्मान गौरी जन्नत फैशन हाउस सहयोगी गढ़ मुन्ना रफी क्रिकेटर, बदरे आलम, सब्बू, शादाब टाइगर, मुन्नू पठान आदि को सम्मानित किया गया विजेता टीम के कप्तान तारिक सब्बू बेग वह उपविजेता टीम के कप्तान शाहबाज खान ने मर्सी हॉस्पिटल वा सफल टूर्नामेंट कराने के लिए अम्मार नोमानी का हृदय की गहराई से धन्यवाद दिया इस अवसर पर मर्सी हॉस्पिटल के डायरेक्टर डॉक्टर अब्दुल कवी, पूर्व चेयरमैन नसीम नेता, पूर्व चेयरमैन झब्बन बेग उस्मान खान, दिलशाद खान, मशरूर अंसारी, सुल्तान सलाहुद्दीन टीपू, रिंकू आलम, आदि लोग काफी संख्या में उपस्थित रहे।

## कार्यालय ग्राम पंचायत नौगंवा विकासखंड हलिया मिर्जापुर

पत्रांकः मेमो/sBm रा वि अ. /के.वि.अ./ मनरेगा व अन्य मद /2026-27 दिनांक04/04/2026

**अल्पकालीन निविदा**

कार्यालय ग्राम पंचायत नौगंवा विकासखंड हलिया जनपद मिर्जापुर में राष्ट्रीय ग्राम स्वराज अभियान के अंतर्गत बहुउद्देशीय स्वच्छ भारत मिशन ग्रामीण (पेज-2) के अंतर्गत ठोस एवं तरल अपशिष्ट प्रबंन्धन योजना वित्तीय वर्ष 2026 -27 मे निम्नलिखित कार्य आर जी एस ए /एस.बी.एम /16 वा वित्त/ छटंवा वित्त/ मनरेगा की धनराशि से होना प्रस्तावित है निविदा दिनांक 04/04/ 2026 से 08/04/2026 तक किसी भी कार्य दिवस में कार्यालय पंचायत नौगंवा मे निविदा शुल्क जमा कर प्राप्त करें एवं सामग्री आपूर्ति हेतु अपनी दरें सील बंद लिफाफे में उक्त तिथियां को कार्यालय अवधि में जमा कर सकते हैं निविदा दिनांक 08/04/2026 को दिन में 11:30 बजे उपस्थित निविदा दाताओं के समक्ष ग्राम पंचायत कार्यालय में गठित समितिके द्वारा खोली जाएगी जिसमें आपूर्ति की जाने वाली सामग्री ईट,गिट्टी, बालू, सरिया ,सीमेंट, ई -रिक्शा आयरन गेट, पत्थर, मिट्टी, आयरन सेट, इलेक्ट्रिक, एवं प्लंबरिंग सामग्री और अन्य सामग्री सहित आवश्यक सामग्री प्राक्कलन के अनुसार 1-नियम व शर्तें उपरोक्त सामग्री आपूर्ति हेतु पंजीकृत फार्मो द्वारा वेद प्रमाण पत्र दिखाने एवं जीएसटी की छाया प्रति संकलन करने पर ही निविदा डाली जाएगी सामग्री की आपूर्ति निश्चित समय सीमा में गुणवत्ता के अनुरूप किया जाना है तभी भुगतान संभव है निविदा के साथ 100 का स्टांप पेपर संलग्न करना आवश्यक है निविदा स्वीकृत और सुकृत करने का अधिकार गठित समिति में निहित होगा।

श्री मती बिटोलवा
ग्राम प्रधान

आलोक भारतीय
सचिव

## कार्यालय ग्राम पंचायत बनवा विकासखंड हलिया मिर्जापुर

पत्रांकः मेमो/sBm रा वि अ. /के.वि.अ./ मनरेगा व अन्य मद /2026-27 दिनांक04/04/2026

**अल्पकालीन निविदा**

कार्यालय ग्राम पंचायत बनवा विकासखंड हलिया जनपद मिर्जापुर में राष्ट्रीय ग्राम स्वराज अभियान के अंतर्गत बहुउद्देशीय स्वच्छ भारत मिशन ग्रामीण (पेज-2) के अंतर्गत ठोस एवं तरल अपशिष्ट प्रबंन्धन योजना वित्तीय वर्ष 2026 -27 मे निम्नलिखित कार्य आर जी एस ए /एस.बी.एम /16 वा वित्त/ छटंवा वित्त/ मनरेगा की धनराशि से होना प्रस्तावित है निविदा दिनांक 04/04/ 2026 से 08/04/2026 तक किसी भी कार्य दिवस में कार्यालय पंचायत बनवा मे निविदा शुल्क जमा कर प्राप्त करें एवं सामग्री आपूर्ति हेतु अपनी दरें सील बंद लिफाफे में उक्त तिथियां को कार्यालय अवधि में जमा कर सकते हैं निविदा दिनांक 08/04/2026 को दिन में 11:30 बजे उपस्थित निविदा दाताओं के समक्ष ग्राम पंचायत कार्यालय में गठित समितिके द्वारा खोली जाएगी जिसमें आपूर्ति की जाने वाली सामग्री ईट,गिट्टी, बालू, सरिया, सीमेंट, ई -रिक्शा आयरन गेट, पत्थर, मिट्टी ,आयरन सेट, इलेक्ट्रिक, एवं प्लंबरिंग सामग्री और अन्य सामग्री सहित आवश्यक सामग्री प्राक्कलन के अनुसार 1-नियम व शर्तें उपरोक्त सामग्री आपूर्ति हेतु पंजीकृत फार्मो द्वारा वेद प्रमाण पत्र दिखाने एवं जीएसटी की छाया प्रति संकलन करने पर ही निविदा डाली जाएगी सामग्री की आपूर्ति निश्चित समय सीमा में गुणवत्ता के अनुरूप किया जाना है तभी भुगतान संभव है निविदा के साथ 100 का स्टांप पेपर संलग्न करना आवश्यक है निविदा स्वीकृत और सुकृत करने का अधिकार गठित समिति में निहित होगा।

इन्द्र बहादुर
ग्राम प्रधान

मनोज कुमार
सचिव

## संक्षिप्त खबरें

### तिलहर में धूमधाम से माना हनुमान जन्मोत्सव

**निकाली शोभायात्रा, 151 कुंतल लड्डू का लगा भोग**

**तिलहर शाहजहांपुर।** श्री हनुमान जन्मोत्सव के पावन अवसर पर नगर में विभिन्न धार्मिक एवं सांस्कृतिक कार्यक्रमों का भव्य आयोजन किया गया। पूरे नगर में

उत्सव का माहौल देखने को मिला और श्रद्धालुओं में विशेष उत्साह रहा। इस अवसर पर गुरुकुल महाविद्यालय, रुद्रपुर के छात्रों द्वारा नगर में भव्य शोभायात्रा निकाली गई। शोभायात्रा में छात्र पारंपरिक वेशभूषा में शामिल हुए और भगवान हनुमान के जयकारों से वातावरण भक्तिमय बना दिया। वहीं, श्री आर पी सिंह पब्लिक स्कूल के बच्चों द्वारा आकर्षक झांकियां सजाई गई, जो शोभायात्रा का मुख्य आकर्षण रहीं। इन झांकियों ने लोगों का मन मोह लिया। शोभायात्रा नगर के प्रमुख मार्गों से होती हुई कछियानी खेड़ा मंदिर पहुंचकर संपन्न हुई, जहां श्रद्धालुओं ने विधि-विधान से पूजा-अर्चना की। इसके अलावा नगर के बंसी वाले मंदिर में आयोजक ममतेश गुप्ता के नेतृत्व में सायं 4:00 बजे से सुंदरकांड का पाठ आयोजन किया गया, जिसमें बड़ी संख्या में श्रद्धालु उपस्थित रहे और भक्ति भाव से पाठ में भाग लिया। इसके उपरांत 151 कुंतल लड्डू का भोग भगवान को अर्पित किया गया, जो आयोजन की विशेषता रहा। भोग के पश्चात आयोजित भंडारे में सैकड़ों लोगों ने प्रसाद ग्रहण किया।

### इंडस्ट्रियल कॉरिडोर के लिए गंगा एक्सप्रेसवे के किनारे 200 एकड़ भूमि की तलाश शुरू

**तिलहर।** गंगा एक्सप्रेसवे के किनारे प्रस्तावित औद्योगिक कॉरिडोर को लेकर प्रशासनिक हलचल तेज हो गई है। कटरा क्षेत्र के विधायक डॉ. वीर विक्रम सिंह द्वारा विधानसभा में इस मुद्दे को प्रमुखता से उठाए जाने के बाद जिला प्रशासन ने जमीन चिन्हांकन की प्रक्रिया शुरू कर दी है। इसी क्रम में गुरुवार को उपजिलाधिकारी सदानंद सरोज राजस्व विभाग की टीम के साथ गांव खमरिया पहुंचे और संभावित स्थल का निरीक्षण किया। अधिकारियों ने लगभग 200 हेक्टेयर भूमि की उपलब्धता का आकलन करने के उद्देश्य से स्थानीय किसानों के साथ बैठक भी की। इस दौरान किसानों को परियोजना के संभावित लाभों के बारे में विस्तार से बताया गया और उनसे जमीन देने के संबंध में राय ली गई। किसानों ने भी अपनी शंकाएं और सुझाव अधिकारियों के सामने रखे, जिस पर सकारात्मक चर्चा हुई। प्रशासन का कहना है कि प्रारंभिक स्तर पर किसानों का रुख सहयोगात्मक नजर आया है। यदि भूमि उपलब्धता की प्रक्रिया शीघ्र पूरी हो जाती है, तो प्रस्ताव को शासन के पास भेजा जाएगा, जिससे आगे की कार्यवाही शुरू की जा सके। औद्योगिक कॉरिडोर के निर्माण से क्षेत्र में निवेश के अवसर बढ़ने की संभावना है। साथ ही स्थानीय युवाओं के लिए रोजगार के नए रास्ते खुलेंगे और क्षेत्रीय अर्थव्यवस्था को भी मजबूती मिलेगी। प्रशासन इस परियोजना को लेकर तेजी से आगे बढ़ने की तैयारी में है।

### जयकारों के साथ निकली रिठौरा में शोभायात्रा, सुरक्षा के रहे पुख्ता इंतजाम

**बरेली/रिठौरा।** हनुमान जयंती के उपलक्ष्य में बृहस्पतिवार को रिठौरा नगर केसरिया रंग में रंगा नजर आया। श्री बालाजी दरबार में विशेष पूजा-अर्चना के बाद शाम शोभायात्रा का शुभारंभ महंत अरविंद पाण्डेय ने छप्पन भोग लगाकर किया गया। यात्रा में चेयरमैन शकुंतला देवी व प्रतिनिधि अमित कुमार गुप्ता ने नगरवासियों के साथ सहभागिता की। रमेश वर्मा सहित अन्य गणमान्य लोगों ने भी श्री हनुमान जी की आरती उतारकर पुण्य लाभ कमाया। शांति एवं सुरक्षा व्यवस्था बनाए रखने के लिए एस आई वैभव गुप्ता एवं पुलिस बल पूरी यात्रा के दौरान साथ रहा। इस धार्मिक आयोजन में हिंदू जागरण मंच के जिलाध्यक्ष अरूण फौजी के नेतृत्व में हरिपाल गंगवार, सर्वेश सैनी, सुरेंद्र गंगवार, अनिल कनौजिया, राजू यादव, मोनू गुप्ता, अंकुश गुप्ता, प्रदीप राठौर और कमल गंगवार, ढल्लो देवी, पूरनलाल शर्मा सक्रिय भूमिका निभाई। नगर के मुख्य मार्गों पर पुष्प वर्षा कर शोभायात्रा का जोरदार अभिनंदन किया गया।

# डीयू के शहीद भगत सिंह सांध्य महाविद्यालय में दो-दिवसीय एनएसएस समागमः युवा नेतृत्व, सेवा और समावेशिता पर मंथन

**स्वतंत्र प्रभात संवाददाता**

**प्रदीप यादव**

**नई दिल्ली:** दिल्ली विश्वविद्यालय के शहीद भगत सिंह सांध्य महाविद्यालय की राष्ट्रीय सेवा योजना (एनएसएस) इकाई द्वारा एक राष्ट्रः एक परिवार' की प्रेरणादायक थीम के अंतर्गत दो-दिवसीय वार्षिक महोत्सव 'संयुक्त समागम' 2026 का सफलतापूर्वक आयोजन किया गया। यह आयोजन विकसित भारत 2047 के लक्ष्य से युवाओं को नेतृत्व पॉलिसी संवाद तथा समावेशिता से जोड़ने पर केंद्रित रहा।कार्यक्रम का शुभारंभ एनएसएस गीत, 'वंदे मातरम्' तथा डीयू कुलगीत के साथ दीप प्रज्वलन द्वारा किया गया। इस अवसर पर मुख्य अतिथि डॉ. रश्मि सिंह (आईएएस), सचिव, महिला एवं बाल विकास विभाग (दिल्ली सरकार) उपस्थित रहीं। अपने संबोधन में डॉ. रश्मि सिंह ने 'पॉलिसी और प्रैक्टिस' के बीच की दूरी को कम करने की आवश्यकता पर विशेष बल दिया। उन्होंने कहा कि समाज की समस्याओं के स्थायी समाधान के लिए युवाओं को जमीनी हक़ीक़त से जुड़ना होगा। साथ ही, उन्होंने सामाजिक रूप से जिम्मेदार युवाओं के निर्माण में एनएसएस की भूमिका को रेखांकित करते हुए कहा कि यह युवाओं को सामुदायिक सहभागिता, जागरूकता अभियानों तथा जमीनी पहलों के माध्यम से राष्ट्र निर्माण में सक्रिय योगदान देने का सशक्त मंच प्रदान करता है। उन्होंने भारत के 'डेमोग्राफिक डिविडेंड' (युवा शक्ति) को राष्ट्र निर्माण की सबसे बड़ी पूंजी बताते हुए युवाओं से नेतृत्व की भूमिका निभाने का आह्वान किया।विशिष्ट अतिथि के रूप में डॉ. बिनय, निदेशक, श्यामा प्रसाद मुखर्जी फाउंडेशन ने युवाओं में सेवा और संवेदनशीलता की भावना को रेखांकित करते हुए कहा भारत केवल दया का देश नहीं, बल्कि करुणा का देश है उन्होंने भारतीय समाज में सामाजिक पूँजी की महत्ता को रेखांकित करते हुए कहा कि किसी भी विपरीत परिस्थिति में समाज स्वयं आगे आकर समाधान का हिस्सा बनता है। एनएसएस के कार्यक्रम अधिकारी डॉ. शरद कुमार यादव ने कार्यक्रम के बारे में बताते हुए कहा कि इस समागम का उद्देश्य युवाओं को सामाजिक सरोकारों से जोड़ना तथा उनमें नेतृत्व क्षमता का विकास करना है। उन्होंने यह भी उल्लेख किया कि जहाँ एक ओर एनएसएस समिट, कॉन्फ्रेंस और संयुक्त लीडरशिप डायलॉग जैसे मंचों पर समकालीन सामाजिक मुद्दों पर सार्थक विचार-विमर्श हुआ, वहीं दूसरी ओर सामाजिक समावेशिता को बढ़ावा देने हेतु विभिन्न रचनात्मक गतिविधियाँ आयोजित की गई। इस 'संयुक्त समागम' में विशेष रूप से सक्षम बच्चों के लिए 'पोस्टर बैग निर्माण' तथा एसिड अटैक सर्वाइवर्स के लिए 'पेपर बैग निर्माण' जैसी गतिविधियाँ शामिल रहीं। इसके अतिरिक्त सामाजिक मुद्दों पर भाषण एवं लेखन प्रतियोगिताओं का आयोजन भी किया गया, जिसका उद्देश्य छात्रों में संवेदनशीलता, सहानुभूति और सामाजिक उत्तरदायित्व की भावना को विकसित करना है। साथ ही, सामाजिक विषयों पर आधारित डॉक्यूमेंट्री स्क्रीनिंग तथा एनएसएस की वार्षिक पत्रिका का विमोचन भी इस समागम का महत्वपूर्ण हिस्सा रहा।समापन समारोह में आयुषी डबास आईएएस सचिव, दिल्ली एग्रीकल्चरल मार्केटिंग बोर्ड मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहीं और उन्होंने एनएसएस स्वयंसेवकों को संबोधित किया। इस अवसर पर विशिष्ट अतिथि के रूप में किशन कुमार की गरिमामयी उपस्थिति भी रही। समारोह का एक प्रमुख आकर्षण एनएसएस स्वयंसेवकों का सम्मान समारोह रहा। महाविद्यालय की एनएसएस इकाई में दो वर्षों तक निरंतर और उत्कृष्ट सेवा देने वाले स्वयंसेवकों को अतिथियों द्वारा प्रमाण-पत्र प्रदान कर सम्मानित किया गया। यह सम्मान उनके समर्पण, अनुशासन और समाज के प्रति निस्वार्थ सेवा भावना की सराहना का प्रतीक रहा। अंत में आयोजकों द्वारा सभी अतिथियों, प्रतिभागियों एवं सहयोगियों के प्रति आभार व्यक्त किया गया। इस कार्यक्रम में महाविद्यालय के शिक्षकगण एवं विद्यार्थियों की उत्साहपूर्ण सहभागिता रही, जिसने इस समागम को सफल एवं सार्थक बनाया।

### दिल्ली एमसीडी में बड़ा प्रशासनिक बदलाव, ममता यादव बनीं नई उपायुक्त

**नई दिल्ली।** सीबीआई से गिरफ्तारी के बाद एमसीडी ने कर्नल अभिषेक मिश्रा को निलंबित कर दिया है। साथ ही उनके स्थान पर कर निर्धारक एवं संग्रहण आईएएस ममता यादव को शाहदरा नार्थ जोन के उपायुक्त की अतिरिक्त जिम्मेदारी दी है। ममता यादव 2O21 बैच की आईएएस अधिकारी है। उनके पास इससे पूर्व केशवपुरम और सिटी एसपी जोन में बतौर उपायुक्त कार्य करने का अनुभव है। इसके साथ ही एमसीडी ने आइटीएस मोहित बंसल को रोहिणी जोन के उपायुक्त कि अतिरिक्त जिम्मेदारी दी है। मोहित बंसल के पास आईटी निदेशक की जिम्मेदारी है। इसके साथ ही एमसीडी ने अभिषेक मिश्रा का वियतनाम यात्रा के लिए छह दिन की छुट्टी भी रद कर दी है। एक अधिकारी ने कहा कि चूंकि 48 घंटे से अधिक समय तक गिरफ्तार रहने पर सरकारी कर्मचारी और अधिकारी के निलंबित होने की प्रक्रिया है। इसलिए हमने सक्षम प्राधिकारी की मंजूरी के बाद कर्नल अभिषेक मिश्रा को निलंबित कर दिया है। सूत्र बताते हैं कि एमसीडी ने शाहदरा नार्थ जोन में उपायुक्त और अन्य अधिकारियों की गिरफ्तारी के बाद काफी किरकिरी हो रही है। इसलिए एमसीडी ने आइएएस कैडर के अधिकारी को इसकी जिम्मेदारी दी है। साथ ही भविष्य में ऐसी घटनाएं न हो सके।

# दिल्ली में हनुमान जयंती पर निकाली गई शोभायात्रा जय श्री राम जय हनुमान के जयघोष से भक्ती में डूबा माहौल

**स्वतंत्र प्रभात संवाददाता**

**बादल हुसैन**

**नई दिल्ली।** गुरुवार को देश भर में हनुमान जयंती का पर्व हर्षोल्लास पूर्वक मनाया गया। राजधानी दिल्ली में विभिन्न हनुमान मंदिरों से शोभायात्रा निकाली गई। शोभायात्रा में भगवान हनुमान से जुड़ी आकर्षक झांकियां शामिल थी, जिन्होंने लोगो का ध्यान आकर्षित किया। भक्ति गीतों की गूंज और ढोल नगाड़ों की धुन पर श्राद्धलु झूमते नजर आए। इस दौरान पूरा छेत्र जय श्री राम जय हनुमान के जयघोष से गुंजायमान रहा। इस शोभायात्रा में सैकड़ों श्रद्धालु शामिल हुए जिसमें महिलाओं और पुरुषों की भारी भीड़ देखी गई। जगह जगह भंडारा प्रसाद का भी आयोजन किया गया। आप को बतादे कि दिल्ली के करोलबाग में स्थित हनुमान मंदिर अपनी 108 फीट ऊंची विशाल हनुमान जी की प्रतिमा के कारण देशभर में प्रसिद्ध है, यह प्रतिमा न केवल धार्मिक आस्था का प्रतीक है, वल्कि राजधानी की आधुनिक पहचान भी बन चुकी है। इस मूर्ति की सबसे खास बात यह है कि इसमें हनुमान जी की छाती खुली हुई देखाई देती है, जिसके भीतर राम दरबार के दर्शन होते हैं।यह मंदिर आस्था का प्रतीक मानी जाती है। यही कारण है कि यह मंदिर श्रद्धालुओं के लिए विशेष आकर्षण का केंद्र बना हुआ है।

# हनुमान जन्मोत्सव सनातन धर्म के विजय एवं गौरव का प्रतीकः सुरेंद्र कुमार गुप्ता

**स्वतंत्र प्रभात संवाददाता**

**नई दिल्ली।** 2 अप्रैल 2026 को विश्व हिंदू परिषद,इंद्रप्रस्थ प्रांत के प्रांत मंत्री सुरेन्द्र कुमार गुप्ता ने एक महत्वपूर्ण वक्तव्य जारी करते हुए समस्त हिंदू समाज को हनुमान जन्मोत्सव की हार्दिक शुभकामनाएं एवं बधाई।अपने संदेश में श्री गुप्ता ने कहा कि यह दिवस केवल श्रद्धा और भक्ति का ही नहीं,बल्कि विजय और आत्मगौरव का भी प्रतीक है। उन्होंने स्मरण कराया कि तीन वर्ष पूर्व जहांगीरपुरी की शोभायात्रा पर विधर्मियों द्वारा हमला किया गया था,जिसके बाद प्रशासन द्वारा उस शोभायात्रा को प्रत्येक वर्ष सीमित या प्रतिबंधित किया जाता रहा। किंतु इस वर्ष प्रशासन के साथ लंबी एवं सकारात्मक संवाद प्रक्रिया के पश्चात शोभायात्रा को पुनः पूर्ण स्वरूप में लगभग ढाई से तीन किलोमीटर के मार्ग पर अनुमति प्रदान की गई है।यह निश्चित रूप से समस्त हिंदू समाज एवं सभी हिंदू संगठनों की सामूहिक विजय है।उन्होंने आगे कहा कि जहां एक ओर यह विजय हम सभी को उत्साहित करती है,वहीं इंद्रप्रस्थ प्रांत के त्रिनगर एवं उत्तम नगर जैसे क्षेत्रों में कुछ नई चुनौतियाँ भी सामने आई हैं। इस संदर्भ में उन्होंने स्पष्ट किया कि विश्व हिंदू परिषद और बजरंग दल का प्रत्येक कार्यकर्ता इन चुनौतियों का सामना संवैधानिक और विधिक तरीके से करेगा।उन्होंने कहा कि हमें भारत के संविधान एवं सभी संवैधानिक संस्थाओं पर पूर्ण विश्वास है,और हम दिल्ली पुलिस एवं प्रशासन के साथ समन्वय स्थापित कर भविष्य में भी इस प्रकार की चुनौतियों का समाधान करते रहेंगे।श्री गुप्ता ने इस पावन अवसर पर हिंदू समाज के समक्ष एक महत्वपूर्ण आह्वान रखते हुए कहा कि वर्तमान परिस्थितियों में हमें सामूहिक संकल्प और सतत संघर्ष की आवश्यकता है।उन्होंने आग्रह किया कि जिस प्रकार अन्य समुदाय अपने-अपने दिनों पर सामूहिक प्रार्थना करते हैं,उसी प्रकार हिंदू समाज भी प्रत्येक मंगलवार को शाम 7:00 बजे सार्वजनिक स्थानों, मंदिरों, घरों, व्यापारिक प्रतिष्ठानों एवं कार्यालयों में सामूहिक रूप से हनुमान चालीसा का पाठ करे।उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि इससे उत्पन्न होने वाली ऊर्जा एवं शक्ति हिंदू समाज के संगठन को और अधिक सुदृढ़ करेगी तथा किसी भी चुनौती का सामना करने में सहायक बनेगी।इसके साथ ही उन्होंने यह भी जानकारी दी कि विश्व हिंदू परिषद शीघ्र ही एक विशेष हेल्पलाइन एवं ऐप प्रारंभ करने जा रही है, जिस पर कार्य तेजी से चल रहा है। इस माध्यम से इंद्रप्रस्थ प्रांत का कोई भी हिंदू यदि किसी प्रकार की समस्या या चुनौती का सामना कर रहा होगा, तो उसे तत्काल सहयोग प्रदान किया जाएगा।उन्होंने कहा कि इस पहल के माध्यम से न केवल संगठन के कार्यकर्ता, बल्कि समाज के नए जागरूक एवं सेवा भाव रखने वाले लोग भी जुड़ सकेंगे और इस पवित्र कार्य में सहभागी बनेंगे। उन्हें विश्वास है कि इस व्यवस्था के लागू होने के पश्चात अनेक समस्याओं का समय रहते समाधान संभव हो सकेगा।अंत में श्री सुरेन्द्र कुमार गुप्ता ने पुनः इंद्रप्रस्थ प्रांत के समस्त हिंदू समाज को हनुमान जन्मोत्सव की हार्दिक शुभकामनाएं एवं मंगलकामनाएं प्रेषित कीं।

# हनुमान जन्मोत्सव पर हादसाः वाटर कूलर गिरने से दो घायल, मेडिकल कॉलेज रेफर

**स्वतंत्र प्रभात संवाददाता**

**तिलहर।** ग्राम कपसेड़ा स्थित जानकी महाराज मंदिर परिसर में हनुमान जन्मोत्सव के दौरान एक दर्दनाक हादसा हो गया। कार्यक्रम में श्रद्धालुओं की भारी भीड़ उमड़ी हुई थी। इसी दौरान ब्लॉक ददरौल की ओर से लगाए गए वाटर कूलर के अचानक गिर जाने से दो लोग गंभीर रूप से घायल हो गए। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, मंदिर परिसर में श्रद्धालुओं के लिए पेयजल की व्यवस्था हेतु वाटर कूलर लगाए गए थे। कार्यक्रम के दौरान जब लोग पानी पीने के लिए कूलर के पास पहुंचे, तभी अचानक कूलर असंतुलित होकर गिर पड़ा। इसकी चपेट में आने से 8 वर्षीय बालक निर्मल पुत्र अखिलेश निवासी ग्राम अहियापुर मोहनपुर थाना तिलहर और आरती पत्नी अरविंद निवासी नगर बीसलपुर, जिला पीलीभीत गंभीर रूप से घायल हो गई।

हादसे के बाद मौके पर अफरा-तफरी मच गई। स्थानीय लोगों और आयोजन समिति के सदस्यों ने तुरंत घायलों को बाहर निकालकर प्राथमिक उपचार के लिए नजदीकी स्वास्थ्य केंद्र पहुंचाया। चिकित्सकों ने दोनों की हालत गंभीर देखते हुए उन्हें बेहतर इलाज के लिए राजकीय मेडिकल कॉलेज रेफर कर दिया। घटना के बाद स्थानीय लोगों में आक्रोश भी देखा गया।

लोगों का कहना है कि इतनी बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं के बीच लगाए गए वाटर कूलर की सुरक्षा व्यवस्था ठीक से नहीं की गई थी, जिससे यह हादसा हुआ। दोनों घायलों का इलाज मेडिकल कॉलेज में जारी है और उनकी स्थिति पर नजर रखी जा रही है।

### दिल्ली में मस्जिद पर लहराया भगवा, तुगलकाबाद में हनुमान जन्मोत्सव शोभायात्रा के दौरान की गई हरकत से तनाव

**दिल्ली।** राजधानी के तुगलकाबाद में हनुमान जन्मोत्सव के अवसर पर निकाली जा रही शोभायात्रा के दौरान कुछ हुड़दंगियों की हरकत से तनाव की स्थिति बन गई। आरोप है कि शोभायात्रा के दौरान कुछ युवक पास स्थित मस्जिद पर चढ़ गए और वहां धार्मिक ध्वज लहरा दिया। इस दौरान समुदाय विशेष को लेकर आपत्तिजनक टिप्पणियां करने का भी आरोप लगाया गया है। वीडियो वायरल होते ही बना तनाव घटना का वीडियो इंटरनेट मीडिया पर तेजी से प्रसारित होने लगा, जिसके बाद क्षेत्र में माहौल तनावपूर्ण हो गया। सूचना मिलते ही पुलिस की टीम मौके पर पहुंची और स्थिति को नियंत्रित किया। पुलिस ने दोनों पक्षों से बातचीत कर माहौल शांत कराया। घटना का वीडियो इंटरनेट मीडिया पर तेजी से प्रसारित होने लगा, जिसके बाद क्षेत्र में माहौल तनावपूर्ण हो गया। सूचना मिलते ही पुलिस की टीम मौके पर पहुंची और स्थिति को नियंत्रित किया। पुलिस ने दोनों पक्षों से बातचीत कर माहौल शांत कराया। पुलिस का कहना है कि इंटरनेट मीडिया पर प्रसारित वीडियो के आधार पर भी मामले की जांच की जा रही है। कानून व्यवस्था बिगाड़ने वालों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी।

# बलिया में मंत्री ए.के. शर्मा बोले- शिक्षा के साथ संस्कार जरूरी, वार्षिकोत्सव में मेधावियों को किया सम्मानित

**स्वतंत्र प्रभात संवाददाता**

**बलिया** के रसड़ा स्थित नागा जी सरस्वती विद्या मंदिर में आयोजित वार्षिकोत्सव कार्यक्रम में प्रदेश के नगर विकास एवं ऊर्जा मंत्री ए.के. शर्मा मुख्य अतिथि के रूप में शामिल हुए। करीब डेढ़ घंटे तक चले इस कार्यक्रम में मंत्री ने देर रात 10:30 बजे तक अपनी उपस्थिति दर्ज कराई और छात्र-छात्राओं का उत्साहवर्धन किया। अपने संबोधन में मंत्री शर्मा ने कहा कि विद्या भारती जैसी संस्थाएं आधुनिक शिक्षा के साथ-साथ भारतीय संस्कृति और परंपराओं के संरक्षण में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रही हैं। उन्होंने जोर देते हुए कहा कि शिक्षा के साथ संस्कारों और सांस्कृतिक मूल्यों को अपनाना अत्यंत आवश्यक है, क्योंकि यही एक सशक्त और जिम्मेदार समाज की नींव रखते हैं। उन्होंने अभिभावकों और विद्यार्थियों से आह्वान किया कि वे केवल पढ़ाई तक सीमित न रहें, बल्कि अपने जीवन में नैतिक मूल्यों और परंपराओं को भी स्थान दें। मंत्री ने कहा कि परिश्रम, अनुशासन और अच्छे संस्कार ही सफलता की असली कुंजी हैं।

कार्यक्रम के दौरान मंत्री ने मेधावी छात्र-छात्राओं को सम्मानित कर उनका मनोबल बढ़ाया। इस अवसर पर विद्यार्थियों ने देशभक्ति, भारतीय संस्कृति और सामाजिक विषयों पर आधारित रंगारंग सांस्कृतिक प्रस्तुतियां दीं, जिन्हें उपस्थित लोगों ने खूब सराहा। इस कार्यक्रम में मुख्य विकास अधिकारी ओजस्वी राज, प्रांत प्रचारक रमेश जी, सह प्रांत प्रचारक सुरजीत जी, प्रबंधक संजय कश्यप, प्रिंसिपल राजन पांडे सहित बड़ी संख्या में अभिभावक और छात्र-छात्राएं मौजूद रहे।

### दिल्ली में पैरेंट्स को मनमानी से छुटकारा, तय दुकान से ही किताबें-यूनिफार्म खरीदने को मजबूर नहीं कर सकते स्कूल

**नई दिल्ली।** राजधानी में निजी स्कूलों की मनमानी पर रोक लगाने के लिए शिक्षा निदेशालय ने सख्ती दिखाई है। निदेशालय ने एक अप्रैल 2026 दिशानिर्देश जारी कर कहा कि कोई भी निजी स्कूल विद्यार्थियों या अभिभावकों को किसी एक तय दुकान या वेंडर से किताबें, कापियां, यूनिफार्म या अन्य सामग्री खरीदने के लिए मजबूर नहीं कर सकता। शिक्षा निदेशालय ने पाया कि कई स्कूल विद्यार्थियों और अभिभावकों पर दबाव बनाकर तय दुकानों से महंगे दामों पर सामान खरीदने के लिए मजबूर कर रहे थे, जिससे परिवारों पर आर्थिक बोझ बढ़ रहा था। इसी को रोकने के लिए यह आदेश लागू किया गया है। निदेशालय के अधिकारियों के मुताबिक अब सभी स्कूलों को कक्षा-वार किताबों और यूनिफार्म की पूरी सूची स्कूल परिसर और वेबसाइट पर सार्वजनिक रूप से प्रदर्शित करनी होगी। साथ ही कम से कम पांच दुकानों, वेंडर्स के नाम, पते और फोन नंबर भी बताने होंगे, जहां से ये सामान उपलब्ध हो सके। हालांकि, अभिभावक अपनी सुविधा के अनुसार किसी भी दुकान से खरीदारी करने के लिए स्वतंत्र होंगे। निदेशालय ने यह भी स्पष्ट किया है कि स्कूल निर्धारित यूनिफार्म के रंग, डिजाइन या अन्य विशेषताओं में कम से कम तीन वर्ष तक बदलाव नहीं कर सकेंगे। इसके अलावा अतिरिक्त किताबें या गाइड खरीदने का दबाव डालना भी पूरी तरह प्रतिबंधित कर दिया गया है।

# बलिया में निजी अस्पतालों के खिलाफ छात्रों का उग्र प्रदर्शन, अपूर्वा नर्सिंग होम के डॉक्टरों की गिरफ्तारी

**स्वतंत्र प्रभात संवाददाता**

**बलिया** में निजी अस्पतालों में लगातार हो रही मौतों के विरोध में गुरुवार को छात्रों का गुस्सा फूट पड़ा। विभिन्न कॉलेजों के छात्रों ने सड़कों पर उतरकर जोरदार प्रदर्शन किया और अपूर्वा नर्सिंग होम के डॉक्टरों की गिरफ्तारी की मांग को लेकर जिला प्रशासन का पुतला दहन किया। प्रदर्शन के दौरान सतीश चंद्र और टीडी कॉलेज चौराहे पर छात्रों ने प्रशासन के खिलाफ नारेबाजी करते हुए पुतला फूंका। वहीं कुंवर सिंह डिग्री कॉलेज के सामने जब छात्र पुतला दहन करने पहुंचे, तो पुलिस ने पुतला छीन लिया, जिससे छात्रों और पुलिस के बीच हल्की नोकझोंक भी हुई।

यह आक्रोश हाल ही में जिले के निजी अस्पतालों में हुई संदिग्ध मौतों के बाद सामने आया है। पूर्व में पूर्वांचल हॉस्पिटल में जच्चा और जुड़वा बच्चियों की मौत तथा शवों के डस्टबिन में मिलने की घटना ने पूरे जिले को झकझोर दिया था। इसके अलावा जीरा बस्ती स्थित आकाश नर्सिंग होम में ऑपरेशन के बाद एक प्रसूता की मौत का मामला भी सामने आया था, जिसमें कार्रवाई की गई थी।

इसी कड़ी में दस दिन पहले अपूर्वा नर्सिंग होम में पथरी के ऑपरेशन के दौरान 24 वर्षीय महिला अनीषा राय की मौत हो गई थी। इस मामले में परिजनों की शिकायत पर पांच डॉक्टरों के खिलाफ हत्या का मुकदमा दर्ज किया गया है। स्वास्थ्य विभाग ने त्वरित कार्रवाई करते हुए नर्सिंग होम के ऑपरेशन थिएटर को सील कर दिया है और जांच के लिए सीसीटीवी फुटेज भी कब्जे में ले ली गई है। छात्र नेता रमेश गिरी ने कहा कि पिछले एक महीने में तीन बड़ी घटनाएं सामने आई हैं, लेकिन अब तक दोषी डॉक्टरों की गिरफ्तारी नहीं हुई है। उन्होंने चेतावनी दी कि यदि जल्द कार्रवाई नहीं हुई तो आंदोलन और तेज किया जाएगा। छात्रों ने प्रशासन से दोषियों की जल्द गिरफ्तारी और पीड़ित परिवारों को न्याय दिलाने की मांग की है।

# थाना भदोही क्षेत्र अंतर्गत दहेज की मांग को लेकर विवाहिता को प्रताड़ित करने का आरोपी गिरफ्तार

**स्वतंत्र प्रभात संवाददाता**

प्रार्थी ने दिनांक- 01.04.2026 तहरीर देकर बताया कि प्रार्थी की बहन का विवाह दिनेश कुमार पुत्र हरिनाथ निवासी प्रजापतिपुर जनपद भदोही के साथ दिनांक 05-11-2025 को हुयी थी। शादी में मेरे परिवार, रिश्तेदार व पड़ोसीयों ने मिलकर उपहार व गृहस्थी का सारा सामान व नगद रुपया दिया था। आरोपी ससुरालजन उपहार में मिले सामानों से संतुष्ट नही थे। पाँच लाख रुपये की नगद मांग को लेकर मेरी बहन/विवाहिता को बराबर शारीरिक व मानसिक प्रताड़ित करते रहते थे और दिनांक 31-03-2026 को दहेज की मांग को लेकर उसे जान से मार दिया।

प्राप्त तहरीर के आधार पर तत्समय ही आरोपी ससुरालीजनों के विरुद्ध थाना भदोही पर मु0अ0स0- 146/26 धारा 80(2), 85 बीएनएस व 3/4 डीपी एक्ट का अभियोग पंजीकृत कर विधिक कार्यवाही प्रचलित की गई। अभिनव त्यागी, पुलिस अधीक्षक भदोही द्वारा महिला सम्बन्धित अपराध में त्वरित कार्यवाही एवं पंजीकृत अभियोग से सम्बंधित वांछित अभियुक्तों की शीघ्र गिरफ्तारी हेतु निर्देश के क्रम में दिनांक-02.04.2026 को थाना स्थानीय पुलिस द्वारा सूचना के आधार पर पंजीकृत अभियोग से सम्बन्धित वांछित/विवाहिता का पति अभियुक्त दिनेश गौतम पुत्र हरिनाथ निवासी - प्रजापतिपुर थाना भदोही जनपद भदोही को उसके निवास स्थान से गिरफ्तार कर विधिक कार्यवाही के उपरांत चालान सम्बंधित मा0 न्यायालय किया गया

# एक दिन की जिलाधिकारी' कार्यक्रम का आयोजन किया

### ● छात्रा सिफा खान को एक दिन के लिएबनी जिलाधिकारी

**स्वतंत्र प्रभात संवाददाता**

**बस्ती।** बस्ती जिले मेंकलेक्टेउट सभागार में मिशन शक्ति 5.2 के अंतर्गत जिलाधिकारी श्रीमती कृत्तिका ज्योत्स्ना की अध्यक्षता में 'एक दिन की जिलाधिकारी' कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस अवसर पर राजकीय कन्या इंटर कॉलेज, बस्ती की छात्रा सिफा खान को एक दिन के लिए जिलाधिकारी चुना गया। सिफा खान ने हाईस्कूल परीक्षा में 92 प्रतिशत अंक प्राप्त कर उत्कृष्ट उपलब्धि हासिल की है।

कार्यक्रम के अंतर्गत आयोजित 'हक की बात जिलाधिकारी के साथ' संवाद में राजकीय कन्या इंटर कॉलेज, बेगम खैर गर्ल्स इंटर कॉलेज तथा सरस्वती बालिका विद्यालय रामबाग की छात्राओं ने प्रतिभाग किया।

इस दौरान बालिकाओं ने अपने कैरियर, सेल्फ डिफेंस, घरेलू हिंसा एवं महिला सुरक्षा से जुड़े विभिन्न विषयों पर प्रश्न पूछे, जिनका संतोषजनक उत्तर देकर उनकी जिज्ञासाओं का समाधान किया गया।जिलाधिकारी ने बालिकाओं को आत्मनिर्भर बनने, शिक्षा के महत्व को समझने तथा अपने अधिकारों के प्रति जागरूक रहने के लिए प्रेरित किया। उन्होंने कहा कि मिशन शक्ति अभियान का उद्देश्य महिलाओं और बालिकाओं को सशक्त एवं सुरक्षित वातावरण प्रदान करना है। कार्यक्रम में विद्यालय की शिक्षिकाएं, प्रधानाचार्य एवं प्रोबेशन कार्यालय से संरक्षण अधिकारी वीना सिंह, अशोक सिंह, साधना अग्रहरि, प्रतिभा श्रीवास्तव, सपना सिंह सहित अन्य अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित रहें।